डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

# आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

PG-5

PG-5

सिनेमा:पोपटलाल' को मिली उनकी दुल्हनियी इंटरव्यू विथ सुधांशु में

वर्ष -8 अंक -76 प्रयागराज, शुक्रवार 27 मई, 2022 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2.00 रूपये

## संक्षिप्त समाचार

### क्या मानसून केरल में कल देगा दस्तक पढ़ें मौसम विभाग का ताजा अपडेट

**नई दिल्ली।** मानसून के इंतजार में तारीखें गिन रहे लोगों को मायूसी का सामना करना पड़ सकता है। दरअसल मौसम विशेषज्ञों ने पहले अनुमान लगाया था कि इस बार भारत में मानसून समय से पहले आएगा, लेकिन अब कहा जा रहा है कि भारत आने से पहले ही मानसून कमजोर नजर आ रहा है। आईएमडी का अनुमान था कि मानसून 27 मई को केरल पहुंच सकता है। वहीं मौसम विभाग ने मानसून पर बड़ा अपडेट दिया है। घ्श्व ने ट्वीट करके बताया है कि अगले 48 घंटों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों, दक्षिण-पूर्व अरब सागर के कुछ और हिस्सों, मालदीव और कोमोरिन क्षेत्र, दक्षिण और पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी और बंगाल की पूर्वोत्तर खाड़ी के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने मानसून के आगे बढ़ने का अनुमान लगाया है, लेकिन अब तक मानसून के अगले 48 घंटों में केरल पहुंचने की कोई भविष्यवाणी नहीं की गई है। इससे पहले मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की थी कि केरल में मानसून 27 मई तक पहुंच सकता है, लेकिन अब इसमें देरी हो सकती है। फिलहाल केरल में मानसून की एंट्री से पहले प्री- मानसून बारिश जारी है। मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी विक्षोभ के असर से उत्तर भारत के कई राज्यों में मौसम का मिजाज बदल गया है। पिछले कई दिनों से कई राज्यों में हल्की आंधी- बारिश से अधिकतम तापमान में गिरावट देखने को मिल रही है। इस बीच मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक इस साल मानसूनी बारिश सामान्य रहने की संभावना है। इस साल 99 फीसद बारिश होने की उम्मीद है। स्काईमेट वेद के अनुसार, अगले 48 घंटों के दौरान दक्षिण पूर्व अरब सागर, मालदीव और कोमोरिन क्षेत्र के कुछ हिस्सों, दक्षिण और पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी और पूर्वोत्तर बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में मानसून वेफ आगे बढ़ने वेफ लिए परिस्थितियां अनुकूल होती जा रही हैं। अगर सबठीक रहा, तो मानसून अपनी गति से आगे बढ़ता रहेगा।

## कार्रवाई पर भड़की शिवसेना, संजय राउत बोले- ना महाराष्ट्र झुकेगा, ना शिवसेना डरेगी

**मुंबई।** महाराष्ट्र में सत्ताधारी दलों के कई नेताओं पर ईडी और सीबीआइ की कार्रवाई को लेकर शिवसेना भड़क गई है। शिवसेना ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। पार्टी नेता संजय राउत ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार राज्यों में अस्थिरता पैदा करना चाहती है। संजय राउत ने पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा, 'पूरे देश में केंद्रीय जांच एजेंसी की टाइमिंग हमें पता है। पश्चिम बंगाल, झारखंड या महाराष्ट्र कोई भी प्रदेश हो जब चुनाव आता है या जब किसी राज्य सरकार में अस्थिरता पैदा करनी हो तो ईडी और सीबीआइ को भेजा जाता है, लेकिन महाराष्ट्र न झुकेगा न शिवसेना डरेगी। बता दें कि महाराष्ट्र के मंत्री और शिवसेना नेता अनिल परब पर ईडी ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने परब के पुणे और मुंबई में सात ठिकानों पर छापेमारी की है। शिवसेना नेता के खिलाफ करोड़ों की रिश्वत लेने का आरोप है जिसके चलते ईडी ने यह कार्रवाई की है।

## अससम में बाढ़ की स्थिति में मामूली सुधार, क्षतिग्रस्त रेलवे नेटवर्क का बहाल करने का काम जारी

**नागांव।** असम में बाढ़ की स्थिति में मामूली सुधार होने के बावजूद असम के 15 जिलों में लगभग 5.75 लाख लोग प्रभावित हैं।असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के अनुसार, नागांव जिले में 3.64 लाख से अधिक लोग, जिनमें कामपुर राजस्व मंडल के 2.22 लाख लोग शामिल हैं, अभी भी बाढ़ से प्रभावित हैं। एएसडीएमए वेफ अनुसार, राज्य में बाढ़ प्रभावित जिलों के 1073 गांवों की 51,671.52 हेक्टेयर फसल भूमि अभी भी पानी में है। असम के विभिनन्न जिलों में बाढ़ की स्थिति के कारण नागांव जिले के रोहा गांव पानी में डूब गए है। नागांव जिले के रोहा के निचले गांवों में बाढ़ की स्थिति के कारण गंभीर स्थिति बनी हुई है नागांव जिला रोहा गांव क्षेत्र में बाढ़ के बाद डूबा हुआ है। राज्य में आई प्राकृतिक आपदा ने राज्य के हजारों किसानों की फसलों और घरों को नुकसान पहुंचाकर उन्हें बुरी तरह प्रभावित किया है। नगांव के कामपुर राजस्व मंडल के अंतर्गत टेटेलिसोरा गांव के किसान प्रदीप बोरा ने कहा- 'बाढ़ ने हमें बुरी तरह प्रभावित किया है। विनाशकारी बाढ़ ने मेरी धान की फसल और घर को नुकसान पहुंचाया था। मैंने 10 बीघा धान की फसल की खेती की थी, लेकिन बाढ़ ने सब बर्बाद कर दिया। हमारे क्षेत्र के कई किसानों ने बैंक और अन्य वित्तीय संस्थानों से खेती के लिए ऋण लिया था, लेकिन इसने सब बर्बाद कर दिया। अब, हम कर्ज कैसे चुकाएंगे कामपुर राजस्व मंडल के एक अन्य किसान मोहम्मद सहजन अली ने कहा कि उन्हें भी इसी तरह की समस्या का सामना करना पड़ा था। अली ने कहा, 'मैंने धान की खेती के लिए बैंक से कर्ज लिया था, लेकिन बाढ़ ने उसे नुकसान पहुंचाया। हमारे इलाके की करीब 3,000-4,000 बीघा फसल अब भी पानी में है।' उन्होंने कहा, 'भारी बाढ़ के कारण, हम फसल नहीं काट सके। मेरा घर भी बाढ़ के पानी से क्षतिग्रस्त हो गया है।'मंगलवार को एएसडीएमए की रिपोर्ट के अनुसार, जिला प्रशासन द्वारा स्थापित 346 राहत शिविरों में कुल 81,712 बाढ़ प्रभावित लोग रह रहे थे। वहीं भारतीय रेलवे ने असम के बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित दीमा हसाओ जिले में क्षतिग्रस्त रेलवे बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण के लिए अपने बहाली कार्य शुरू कर दिए हैं।

## शिवलिंग का पता लगाने के लिए तेलंगाना की हर मस्जिद की करेंगे खुदाई

**हैदराबाद।** तेलंगाना भाजपा प्रमुख बंदी एसके का एक विवादित बयान सामने आया है। बंदी एसके ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा है कि जहां-जहां मस्जिद परिसर की खुदाई की जाती है, वहां शिवलिंग मिलते हैं। इसी प्रकार राज्य की ज्यादातर मस्जिद में भी शिवलिंग मिलेंगे। उन्होंने इसी के साथ ओवैसी को चुनौती देते हुए कहा कि वह राज्य में सभी मस्जिदों की खुदाई कराएंगे और यदि परिसर में शव बरामद हुए तो मुसलमान इसका दावा कर लें, नहीं तो परिसर से शिवलिंग मिलने पर इसे हिन्दुओं को सौंप दिया जाए। बंदी एसके ने आगे कहा कि अगर 'राम राज्य' आता है तो हम उर्दू भाषा पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा देंगे। उन्होंने कहा कि देश में जहां भी बम विस्फोट होते हैं, उसके पीछे मदरसों का हाथ होता हैं क्योंकि वहां आतंकवादियों को प्रशिक्षण दिया जाता है। इस दौरान उन्होंने संकल्प लिया कि भाजपा राज्य को बुरी ताकतों से मुक्ति दिलाकर राम राज्य की स्थापना करेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर भाजपा सत्ता में आती है, तो हम सभी मदरसों को बंद कर देंगे, अल्पसंख्यकों को दिए जा रहे आरक्षण को हटा देंगे और एससी, एसटी, ओबीसी और ईबीसी के लिए अतिरिक्त कोटा प्रदान करेंगे और हम उर्दू को दूसरी आधिकारिक भाषा के रूप में स्थायी रूप से प्रतिबंधित करेंगे। बंदी ने हिंदू बहनों को लव जिहाद के नाम पर उनकी गरीबी का फायदा उठाकर फंसाने वाले सांप्रदायिक तत्वों को भी आगाह किया। उन्होंने कहा, हम ऐसे तत्वों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम उनकी हड्डियां तोड़ेंगे और उन्हें हिंदुओं की ताकत दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि हमने सांप्रदायिक तत्वों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी, जिन्होंने तेलंगाना में करीमनगर, कोरुतला, जगितियाल और हैदराबाद सहित कई जगहों पर बम लगाए थे और निर्दोष हिंदुओं को मार डाला था।

## हैदराबाद में बोले पीएम मोदी-भ्रष्टाचार में लिप्त है केसीआर सरकार, इस बार भाजपा लाएगी बदलाव

**हैदराबाद।** तेलंगाना में पीएम मोदी ने विपक्ष पर बड़ा हमला बोला है। भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए पीएम ने 'परिवारवादी' पाटिर्यों को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि ये पाटिर्यां सिर्फ एक राजनीतिक समस्या नहीं है बल्कि हमारे देश के लोकतंत्र और युवाओं की सबसे बड़ी दुश्मन है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे देश ने देखा है कैसे भ्रष्टाचार एक परिवार को समर्पित राजनीतिक दलों का चेहरा बन जाता है। पीएम ने आगे कहा कि 'परिवारवादी' पाटिर्यां केवल अपने विकास के बारे में सोचती हैं। ये पाटिर्यां गरीब लोगों की परवाह नहीं करती हैं, उनकी राजनीति इस बात पर केंद्रित है कि एक परिवार कैसे सत्ता में रह सकता है और जितना हो सके उतना लूटता है। पीएम ने इसी के साथ तेलंगाना की केसीआर सरकार को भी आड़े हाथ लिया और सीएम पर जमकर कटाक्ष किए। पीएम ने कहा कि केसीआर सरकार अंधविश्वासी के साथ भ्रष्टाचार में भी लिप्त है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना का विकास केवल भाजपा ही कर सकती है। और इसी कारण इस बार राज्य में भाजपा सरकार बनाएगी। पीएम ने भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित कर कहा कि आप सभी को राज्य में पार्टी के साथ जनता की सेवा में पूरी मेहनत करनी है। उन्होंने कहा कि हमें तेलंगाना की जनता की सेवा में कोई कोर-कसर नहीं छोड़नी है। मुझे पूरा विश्वास है कि भाजपा का हर एक कार्यकर्ता इसी उत्साह और समर्पण के साथ आगे भी कार्य करता रहेगा जैसे वह करता आया है। पीएम ने आगे कहा कि जब बात टेकनेलाजी की हो तो तेलंगाना और यहां के युवाओं की क्षमता के बिना ये बात कभी पूरी नहीं हो सकती। इन क्षमताओं के पूरे इस्तेमाल के लिए तेलंगाना को एक प्रोग्रेसिव और ईमानदार सरकार की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये सरकार केवल भाजपा ही दे सकती है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों अलग-अलग चुनावों में भाजपा की जीत इस बात का स्पष्ट संकेत है कि तेलंगाना में अब लोगों ने बदलाव का मन बना लिया है। तेलंगाना में अब भाजपा का आना तय है।

## सांसद नवनीत राणा को जान से मारने की धमकी

**नई दिल्ली।** अमरावती से निर्दलीय सांसद नवनीत राणा को जान से मारने की धमकी मिली है। नवनीत ने दिल्ली पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज कराई है। नवनीत राणा का कहना है कि उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई है। उन्हें धमकी भरे कई फोन आ रहे हैं। नवनीत की शिकायत पर नार्थ एवेन्यू थाना में केस दर्ज कर लिया गया है। पुलिस फिलहाल मामले की जांच कर रही है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के आवास मातोश्री के बाहर हनुमान चालीसा पढ़ने की घोषणा के बाद नवनीत राणा और उनके पति रवि राणा को 23 अप्रैल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने कई धाराओं में दोनों के खिलाफ केस दर्ज किया था। हनुमान चालीसा विवाद के बाद चर्चित हुईं सांसद राणा ने पुलिस को बताया कि उन्हें फोन पर धमकी दी गई। राणा को हाल ही में मुंबई स्थित शिवसेना मुख्यालय 'मातोश्री' के बाहर हनुमान चालीसा पढ़ने के आह्वान के मामले में गिरफ्तार किया गया था। कुछ दिनों पहले ही उन्हें जमानत पर रिहा किया गया है। राणा के निजी सहायक ने उनकी ओर से फोन पर धमकियां दिए जाने को लेकर दिल्ली पुलिस में शिकायत की है। इसमें कहा गया है कि मंगलवार शाम राणा के निजी मोबाइल नंबर पर ये फोन कॉल्स किए गए। राणा के अनुसार फोन करने वाले व्यक्ति ने उनसे अभद्र भाषा में बात की, उन्हें अपशब्द कहे और महाराष्ट्र लौटने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी। धमकी देने वाले ने कथित तौर पर राणा से यह भी कहा कि यदि तुमने फिर हनुमान चालीसा पढ़ी तो तुम्हारी हत्या कर दी जाएगी। मामले में दिल्ली के नार्थ एवेन्यू पुलिस थाने में शिकायत दर्ज की गई है। इसमें यह भी कहा गया है कि धमकी के बाद राणा दहशत में हैं।

## तिहाड़ जेल की कोठरी में अकेले पड़ा है यासीन मलिक नहीं मिला कोई काम

**नई दिल्ली।** देश से जम्मू कश्मीर को अलग रखने की चाहत करने वाला कश्मीरी अलगाववादी नेता यासीन मलिक (र्भ्मह र्ैत्व्) की बची जिंदगी अब अकेले ही तिहाड़ जेल की कोठरी में कटेगी। सजा के बाद 56 वर्षीय यासीन को न केवल दुनिया से काट दिया गया, बल्कि उसे जेल की नंबर सात कोठरी में भी अकेले ही बंद किया गया है। बता दें कि दिल्ली की स्पेशल कोर्ट में बुधवार को सजा सुनाई गई। इस जेल में करीब 13,000 कैदी हैं लेकिन यासीन की कोठरी में दूसरा कोई नहीं। जेल वेफ अधिकारी संदीप गोयल ने बताया, 'वह जेल नंबर सात में है और वहीं रहेगा। वह अपने सेल में अकेला है। जिस कोठरी में यासीन बंद है उसमें हाई प्रोफाइल शख्स ने सजा काटी है। उल्लेखनीय है कि तिहाड़ का सेल नंबर सात हमेशा से ही सुखिर्यों में रहा है। दरअसल अब तक यहां हाई प्रोफाइल कैदियों को बंद किया गया है, जिसमें पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम, पूर्व केंद्रीय मंत्री ए राजा, सहारा प्रमुख सुब्रत राय आदि। 12 अक्टूबर को तिहाड़ जेल वेफ 12 अधिकारियों को पूर्व यूनिटेक प्रमोटर्स के साथ मिली भगत में पकड़ा गया था। इनपर आरोप है कि चंद्रा ब्रदर्स को इन्हीं अधिकारियों का साथ मिला था, जिसके बाद अजय चंद्रा, संजय चंद्रा जेल के भीतर से ही अपना बिजनेस चला रहे थे। टेरर फंडिंग और राष्ट्र के खिलाफ साजिश रचने के मामले में एनआइए कोर्ट ने यासीन मलिक को उम्रकैद की सजा सुनाई है। सश्रम कारावास की सजा मिलने के बावजूद जेल में मलिक को सुरक्षा कारणों से कोई भी काम नहीं मिला है।

## सुप्रीम कोर्ट से झटका, नौ कंपनियों के खिलाफ जारी

**नई दिल्ली।** उच्चतम न्यायालय से गुरुवार को सहारा समूह को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने समूह से जुड़ी नौ कंपनियों के खिलाफ की जांच पर रोक लगाने वाले दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को गुरुवार को रद कर दिया है। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ एइघ्ध् द्वारा दायर अपील को स्वीकार कर लिया है। कोर्ट के इस फैसले के बाद अब समूह की कंपनियों के खिलाफ जांच की राह खुल गई है। शीर्ष अदालत ने पाया कि मामले में जांच पर रोक लगाने के लिए उच्च न्यायालय का फैसला उचित नहीं था। बता दें कि एइघ्ध् ने सहारा समूह के प्रमुख के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय के 13 दिसंबर, 2021 के आदेश के खिलाफ शीर्ष अदालत में अपील दायर की थी, जिसमें बाद की सभी कार्रवाइयों पर रोक लगा दी गई थी। इसमें दंडात्मक कार्रवाई और लुकआउट नोटिस शामिल है। शीर्ष कोर्ट 17 मई को एइघ्ध् की याचिका पर विचार करने को तैयार हो गया, जिसमें सहारा समूह की कंपनियों को राहत देने के दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी। गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने सहारा समूह से जुड़ी नौ कंपनियों की जांच के लिए एसएफआईओ के दो आदेशों के संचालन और क्रियान्वयन पर भी रोक लगा दी थी। सहारा समूह की कंपनियों की ओर से पेश अधिवक्ता ने पीठ से इस मामले पर आज सुनवाई करने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि इस मामले में उनका नेतृत्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल शहर में नहीं हैं। कारपोरेट धोखाधड़ी की जांच करने वाली एजेंसी एसएफआईओ की ओर से पेश सालिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि इस अनुरोध पर उन्हें कोई आपत्ति नहीं है।

# भगवान श्रीकृष्ण की हर लीला आध्यात्मिक व प्रेरक

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

**फूलपुर।** क्षेत्र के हरभानपुर,खोजापुर मेंस चल रहे संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा के पांचवे दिन कथावाचक महाराज

रामचन्द्र शुक्ला ने कृष्ण बाल लीलाओं का वर्णन किया। उन्होंने कहा कि बाल लीलाओं के अनुभव का अपना एक आनंद है। जो भक्त इसका अनुभव कर ले, समझों वह भगवान की शरण में है। भगवान श्रीकृष्ण जी ने गोकुल वासियों को आनंद प्रदान करने के लिए कई बाल लीलाएं की। श्रीकृष्ण गोपियों के यहां जाकर माखन चोरी करते थे, इस कारण उनको माखन चोर कहा गया है।यह सोचने का विषय है कि मनुष्य के पास किसी वस्तु का अभाव हो, या गलत संगति का प्रभाव हो, या फिर जन्मजात स्वभाव हो, इन तीनों ही परिस्थितियों में इंसान चोरी करता है। इसी प्रकार भगवान श्रीकृष्ण जी माखन चुराते थे, क्या बाबा नंद जी के यहां माखन का अभाव था, नहीं बाबा नंद की गोशाला में करीब एक लाख गाय थी। अगर कल्पना की जाए तो उनके यहां कितना दूध, दही व माखन होता होगा। फिर भी श्रीकृष्ण माखन चोरी किया करते थे। भगवान श्रीकृष्ण चाहते थे कि ब्रज की गोपियां यहां के दूध, दहीं व माखन मथुरा के बाजार में बेचने न जाएं।इस अवसर पर अरविंद मिश्रा,अरुणेंद्र मिश्रा,श्रीकांत शुक्ला,संजय शुक्ला सहित क्षेत्र सैकड़ो लोग सम्मलित रहे।

# विश्वविद्यालय सोनभद्र जिले में बनवाने के सन्दर्भ शौपा ज्ञापन

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

**लखनऊ।** भाजपा उत्तर प्रदेश के बरिष्ठ नेता, पू.प्रदेश कार्यसमिति सदस्य 'युथ' एडवोकेट, अनिल द्विवेदी जी ने मा0ठउच्च शिक्षा मंत्रीठ उत्तर प्रदेश सरकार आदरणीय योगेंद्र उपाध्याय जी से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट करके जनपद सोनभद्र में राज्य विश्वविद्यालय स्थापित करवाने के सम्बंध में ज्ञापन दिये, आपको बताते चले कि उत्तर प्रदेश के विंध्याचल-मिर्जापुर मंडल में

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा एक राज्य विश्वविद्यालय बनना प्रस्तावित हुआ,जो मंडल के तीन जनपद मिर्जापुर, सोनभद्र, भदोही में से कही भी किसी जिले मे बनवाया जा सकता हैं, इसी संदर्भ में जनपद सोनभद्र के मुल निवासी तेज-तर्रार युवा में अतिप्रिय नेता प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भाजपा 'युथ' एडवोकेट,अनिल द्विवेदी जी ने पहल करते हुए सीधे तौर पर उत्तर प्रदेश सरकार के मा.उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेंद्र उपाध्याय जी से मिलकर उत्तर प्रदेश शासन द्वारा इस प्रस्तावित राज्य विश्वविद्यालय को सोनभद्र मे बनवाने संम्बन्धित आग्रह पत्र दिये हैं, और मा.मंत्री ने पूर्णरूप आश्वथ किये पुर्ण भरोसा दिये की राज्य विश्वविद्यालय आपके ही जनपद सोनभद्र में ही बनवाने का पुरा प्रयास करेंगे, अभी समय हैं समय से सब हो जाएगा।

# डॉ नानक सरन के द्वारा ण्ण्् रामनगर का औचक निरीक्षण किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

**प्रयागराज।** मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रयागराज डॉ नानक सरन के द्वारा ण्ण्् रामनगर का औचक निरीक्षण किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की ओपीडी, टेलीमेडिसिन, फैमिली वेलफेयर काउंसलर के द्वारा की गई काउंसिलिंग, अर्श काउंसलर के द्वारा किये जा रहे कार्य, लेबर रूम, एख् कार्यक्रम, चिकित्सालय की सफाई, चिकित्सा कर्मियों की उपस्थिति आदि की समीक्षा सीएमओ द्वारा किया गया। अर्श काउंसलर मनोज कुमार के कमरे में गंदगी पाए जाने एवं फील्ड विजिट नही किए जाने के कारण अधीक्षक से इसको कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा वेतन का निर्देश दिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने चिकित्सालय में संचालित टेलीमेडिसिन सेवा का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कर इस सेवा के लाभ से आम जनता में लोकप्रिय बनाने का निर्देश चिकित्सा अधीक्षक को दिया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अधीक्षक को निर्देश दिया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्य कर रहे संविदा कर्मियों को मानव सम्पदा पोर्टल के माध्यम से अवकाश स्वीकृत करने का निर्देश दिया। उक्त निर्देश का पालन न करने पर संबंधित अधीक्षक की जबाबदेही सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने लेबर रूम एवं चिकित्सालय की साफ-सफाई

एवं रिकार्डो के रखरखाव से असंतोष प्रकट करते हुए चिकित्सा अधीक्षक की तत्काल ध्यान देने का निर्देश दिया। जिले स्तर से उपलब्ध कराए गए निर्धारित राजिस्टरो का उपयोग नही होने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने नाराजगी जाहिर करते हुए बीपीएम आशीष मिश्रा को कारण बताओ नोटिस जारी करने का निर्देश दिया। विजिट के दौरान रोड एक्सीडेंट में गम्भीर रूप से घायल दंपत्ति का तत्काल उपचार प्रारम्भ करवाया। चिकित्सालय के विजिट बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने टिकुरी रामनगर में आयोजित सत्र का औचक निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी के द्वार का माइक्रोप्लान, टैली शीट, ॅण्् रजिस्टर,आवश्यक दवाएं एवं लॉजिस्टिक आदि का निरीक्षण किया गया। गर्भवती एवं धात्री महिलाओं हेतु संचलित ''एक कदम सुरक्षित मातृत्व की ओरठकी समीक्षा करते हुए को सेवाओं को र्ङिम्प् पोर्टल पर अपडेट करने का भी निर्देश दिया। विजिट के दौरान चिकित्सा अधीक्षक रामनगर डॉ.नीरज सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक विनोद कुमार सिंह भी उपस्थित थे। :- भवदीय विनोद कुमार सिंह, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, प्रयागराज।

# मुकदमे में फंसाकर जिंदगी बर्बाद करने का लेखपाल का ऑडियो वायरल

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

**फूलपुर।** तहसील हंड़िया अंर्तगत भोगवारा ग्राम सभा मे कार्यरत लेखपाल अमरनाथ का मुकदमे में फसाकर जीवन बर्बाद कर देने का एक ऑडियो इनदिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल ऑडियो में लेखपाल अमरनाथ ग्रामसभा भोगवारा के ही एक व्यक्ति से बातचीत कर रहे जिसमे वह गाँव के उदयराज मौर्या को मुकदमे में फसाकर जीवन बर्बाद करने की बात कह रहे है।ऑडियो में लेखपाल गाँव के पूर्व प्रधान के बारे में भी बात कर रहे है।पीड़ित के अनुसार लेखपाल अमरनाथ प्रधानपति मिठाई लाल यादव का बहुत करीबी है और मिठाई लाल यादव ने तलाब की भूमि गाटा संख्या 1186 पर अवैध रूप अतिक्रमण किया हुआ है।जिस पर मैंने पीआइएल दाखिल किया है जिससे नाखुश प्रधानपति मिठाईलाल यादव और लेखपाल अमरनाथ फर्जी मुकदमें फसाने की साजिश रच रहे है।पीड़ित ने दोषी लेखपाल पर कार्यवाही की माँग की है।

# फूलपुर में पटरियों पर हुए अतिक्रमण तथा जाम हेतु पुलिस तथा व्यापारियों की बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

**फूलपुर।** फूलपुर की महत्वपूर्ण नेहरू बाजार जो ए जी मार्ग पर बसा है। उस पर फ्लाईओवर से लेकर ब्लॉक गेट तक हर समय जाम लगा रहता है। जो कोढ़ बन चुका करवाने की मुहिम शुरू की है। फूलपुर कोतवाली परिसर मे सीओ रामसागर तथा थाना अध्यक्ष अमित कुमार राय ने व्यापारी वर्ग की बैठक में स्वेच्छा से अतिक्रमण हटवाने की बात कही। अवैध रूप से की जा रही पार्किंग पर भी चर्चा हुई।

है। ब्लॉक गेट थाना गेट ओवर ब्रिज की ढाल पर प्राइवेट वाहनों द्वारा सवारी भरने बाजार के दुकानदारों द्वारा अपने सामान पटरियों तक दुकान के सामान फैलाकर लगाने पटरी ना होने के कारण बीच रोड पर ही साइकिल बाइक चार पहिया वाहन खड़ी करने खोमचे वाले फेरीवाले रेहडी दुकानदारों ने मुख्य मार्ग को बाजार जैसी स्थिति में तब्दील कर दिया है। सरकार ने इन समस्याओं सड़क पर अतिक्रमण ओवर ब्रिज के नीचे अवैध बाईको आदि को खाली तहसील गेट के सामने दोनों पटरियों पर चार पहिया व दोपहिया सड़क पर खड़ी करने के कारण लगने वाले जाम पर भी चर्चा हुई। इस अवसर पर चौकी इंचार्ज विनय कुमार मिश्रा के अलावा समस्त उपनिरीक्षक तथा पूर्व चेयरमैन अमरनाथ यादव, लक्ष्मी कांत मिश्रा काका, रोहित केसरी, बलवंत मौर्या, सत्यम केसरी, कमलेश मिश्रा, अजय मौर्या, सै0 मोहम्मद मुन्तजर,बलागत हुसैन,सै0 सुहेल अहमद,सिराज अन्सारी आदि लोग उपस्थित रहे।

# पुलिस चौकी के पास रोड पर गन्ना जूस पेरा जाता है

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

**फूलपुर।** मुबारकपुर रोड पर एक तो वाहन के अड्डे चौकी से लेकर पीडब्लुयूडी बगल तक अवैध रूप से चलते हैं। दूजे चौकी से सटाकर फलों के ठेले वाले व जूस बेचने वालों की चांदी कट रही है। इसी ओवर ब्रिज के नीचे तमाम वाहन दिन-रात पार्क रहते हैं। इस पर किसी का ध्यान नहीं जा रहा है।

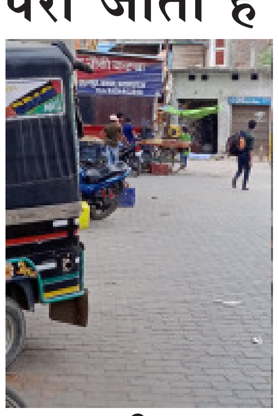

# प्रधानमंत्री वर्चुअल संवाद की सफलता हेतु सीडीओ नामित हुई नोडल अधिकारा

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

**प्रतागपढ़।** जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने शासन की योजनाओं के संबंध में प्रधानमंत्री द्वारा किए जाने वाले वर्चुअल संवाद की सफलता हेतु मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया को नोडल अधिकारी नामित किया है। उन्होंने बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव के तहत दिनांक 31 मई 2022 को प्रधानमंत्री द्वारा 15 योजनाओं के लाभार्थियों क्रमशः प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण और शहरी दोनो), प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पोषण अभियान, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण एवं शहीर दोनो), जल जीवन मिशन और अमृत, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, वन नेशन वन राशन कार्ड, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, आयुष्मान भारत हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना एवं उ0प्र0 राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से वर्चुअल तरीके से संवाद करेगें। कार्यक्रम की महत्ता एवं प्रचार प्रसार के दृष्टिगत दिनांक 26 से 30 मई तक प्री-इवेन्ट गतिविधियॉ तथा 31 मई को राष्ट्रीय कार्यक्रम एवं 01 जून से 05 जून तक पोस्ट-इवेन्ट आयोजित किये जायेगें। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम को जनपद में सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने एवं समस्त सम्बन्धित विभागों से समन्वय कर पूर्व से ही समस्त तैयारियॉ सुनिश्चित कराने हेतु मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया को नोडल अधिकारी नामित किया है।

# गोवंश हमारे लिए हैं उपयोगी, इनके भरण पोषण हेतु करें सहयोग -जिलाधिकारा

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

**प्रतागपढ़।** जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल ने बताया कि गोवंश हमारी सांस्कृतिक विरासत और भारतीय समाज में पवित्रता का प्रतीक है गोवंश से सर्वसमाज के लिए अति उपयोगी है।उन्होंने कहा कि एक ओर इनसे दूध के रूप में पौष्टिक आहार प्राप्त होता है, वहीं दूसरी ओर गाय के गोबर से उपली तथा फसलोत्पादन हेतु देशी खादी प्राप्त होती है। गोवंश की महत्ता के दृष्टिगत गोवंश के संरक्षण एवं भरण पोषण शासन की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने बताया कि गोवंश के संरक्षण हेतु शासन स्तर से जारी दिशा निर्देश के अनुक्रम में जनपद के विभिनन्‍ स्थलों पर निराश्रित गोवंश आश्रय स्थल संचालित किये जा रहे हैं और इनके भरण-पोषण हेतु प्रति गोवंश प्रतिदिन 30 रूपये की दर से शासकीय अनुदान भी प्राप्त हो रहा है।गो आश्रय स्थलों में संरक्षित गोवंशों के भरण-पोषण की व्यवस्थायें सुनिश्चित की गयी है किन्तु गोवंशों के और बेहतर संरक्षण एवं भरण पोषण के लिये इन गोशालाओं में पर्याप्त मात्रा में भूसा, चारा, दाना आदि की वर्ष भर उपलब्धता सुनिश्चित कराने हेतु जनपद के सभी गोवंश आश्रय स्थलों में भूसा बैंक की स्थापना की जा रही है। इसमें सर्व समाज की स्वैच्छिक भागीदारी आवश्यक है जिलाधिकारी ने जनपद के सभी सम्मानित नागरिकों से अपील करते हुये कहा कि निराश्रित गोवंश के भरण-पोषण हेतु अपने निकटतम गोवंश आश्रय स्थलों में स्वेच्छा से भूसा/चूनी-चोकर अथवा हरे चारे का दान देकर गोवंश सरंक्षण में अपना बहुमूल्य सहयोग प्रदान करें। इस सराहनीय योगदान से जहां एक ओर गोवंश के बेहतर संरक्षण में सहयता मिलेगी, वहीं दूसरी ओर गोवंश संरक्षण में जनसहभागिता की भावना भी बलवती होगी। जिला प्रशासन द्वारा सराहनीय योगदान करने वाले सहयोगदाताओं को सम्मानित भी किया जायेगा। सहयोगदाता सहयोग देने हेतु सम्बन्धित विकास खण्ड के खण्ड विकास अधिकारी/पशु चिकित्साधिकारी एवं प्रभारी मुख्य पशु चिकित्साधिकारी मोबाईल नम्बर 7376411629 से सम्पर्क कर सकते हैं।

## मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के लाभ हेतु करायें पंजीकरण

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

**प्रतागपढ़।** जिला समाज कल्याण अधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23 में निदेशालय समाज कल्याण उ0प्र0 लखनऊ के द्वारा रूपये 76.50 लाख का आवंटन प्राप्त हुआ है जिसके सापेक्ष 150 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराया जा सकता है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कराये जाने हेतु दिनांक 10 जून 2022 निर्धारित की गयी है। इच्छुक अभ्यर्थी अपने सम्बन्धित विकास खण्ड, नगर पालिका, नगर निकाय में अपना पंजीकरण करायें जिससे सामूहिक विवाह का आयोजन सम्पन्न कराया जा सके।


# नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित
ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

| क0सं0 | ट्रेड का नाम | ट्रेड की अवधि | योग्यता |
|---|---|---|---|
| 1. | कोपा | 1 वर्ष | 12वीं पास |
| 2. | फिटर | 2 वर्ष | 10वीं पास |
| 3. | बेसिक कम्प्युटिंग | 6 माह | साक्षर |
| 4. | डाटा इंट्री ऑपरेटर | 6 माह | 10वीं पास |
| 5. | फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी | 6 माह | 8वीं पास |
| 6. | सेक्योरिटी सर्विस | 6 माह | 8वीं पास |
| 7. | कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली | 1 वर्ष | 10वीं पास |
| 8. | सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन | 1 वर्ष | 10वीं पास |
| 9. | इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स | 1 वर्ष | 8वीं पास |
| 10. | रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग | 1 वर्ष | 8वीं पास |
| 11. | योगा असिस्टेन्ट | 1 वर्ष | 10वीं पास |
| 12. | वेल्डिंग टेक्नोलॉजी | 1 वर्ष | 8वीं पास |
| 13. | कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स | 1 वर्ष | 10वीं पास |

1.**प्रमाण पत्रः-** सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। 2.**चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। 3.**आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। 4.**आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। 5.आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। 6.**कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। 7.**छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। 8. अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। 9.**दाखिले की अंतिम तिथिः-** 30 मई 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

# डॉ0फणींद्र मिश्र के नेतृत्व में राष्ट्रीय एकता शिविर समारोह पश्चिम बंगाल हेतु टीम रवाना

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

**प्रतापगढ़।** हेमवती नंदन बहुगुणा पी0जीकालेज लालगंज प्रतापगढ़ उत्तर प्रदेश की राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर टीम डॉ0 फणीन्द्र मिश्र कार्यक्रमाधिकारी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल रवाना हुई है। डॉ0फणींद्र मिश्र के कुशल नेतृत्व एवं शिविर संयोजन के परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रदेश टीम का नेतृत्व हेमवती नंदन बहुगुणा पी0जी0 कालेज लालगंज को मिला है।इस टीम में 5छात्र एवं 5छात्रायें शामिल हैं जो राष्ट्रीय एकीकरण शिविर समारोह में प्रतिभाग करने के लिए गये हैं।प्रदेश टीम को रवाना करने हुए कालेज के प्रबन्धक डॉ0 राजेन्द्र मिश्र, डॉ0शैलेन्द्र मिश्र,डॉ0संतोष मिश्र,डॉ0 वाचस्पति मिश्र,डॉ0 ऋचा सुकुमार, दिनेश त्रिपाठी, वज्रघोष ओझा, मयंक सिंह, अरविंद मौर्य, बिनोद, उमाशंकर यादव सहित समस्त महाविद्यालय परिवार ने जाने सभी छात्र- छात्राओं को शुभकामनाएं दीं।

# बकायेदार किसानों के लिये एकमुश्त समाधान योजना लागू

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

**प्रतापगढ़।** सहायक आयुक्त एवं सहायक निबन्धक सहकारिता अरविन्द प्रकाश ने बताया कि उ0प्र0 सहकारी ग्राम विकास बैंक के बकायेदार किसानों के लिये एकमुश्त समाधान (ओटीएस) योजना लागू की गई है। एकमुश्त समाधान योजना के अन्तर्गत वर्ष 1997 से वर्ष 2013 तक के बाकीदार किसानों को विभिनन्‍ श्रेणियों में 30 प्रतिशत से 100 प्रतिशत ब्याज में छूट का प्राविधान है जिसमें केवल मूलधन, मूलधन के बराबर ब्याज एवं ब्याज में 30 प्रतिशत तक छूट के साथ सम्पूर्ण बकाया धन जमा करने पर योजना का लाभ दिया जा रहा है। यह योजना उन बाकीदार किसानों पर भी लागूय होगी जिनका बैंक ऋण से ऋण लेने के पश्चात् निधन हो गया है तथा उनके वारिसान सम्पूर्ण बकाया ऋण अदा नहीं कर पा रहे है। यह योजना सीमित अवधि के लिये ही बैंक द्वारा लागू की गयी है।

क्षिनना अन्दोत्रा

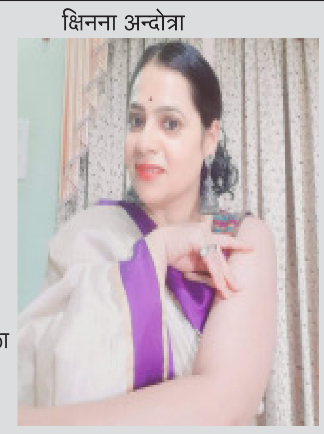

उदासियों के कैक्टस
बढ़ रहे हैं दिन ब दिन
ख़ुद में समाहित कर ली
हर एक अब चुभन है
मन के वीराने में
जब भी कोई
गुलाब खिलने लगता है
सिर उठा लेते हैं
सवालों के कितने शूल
जब भी अनदेखा करती हूँ
चुभ जातें हैं आंखों में
हँस देती हूँ ताकि देखने वाला
खिले अधरों पर ठहर जाए
छू न पाए कभी कोई
आँखों के रिसते दर्द को

# आईटीआई कर्मचारी संघ की बैठक........

(आधुनिक समाचार सेवा)

**प्रयागराज।** राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैनी प्रयागराज कर्मचारी संघ की बैठक हुई जिसमें नवनियुक्त कार्य देश को एवं अनुदेशकों का स्वागत समारोह

किया गया जिसमें विभिनन्‍ समस्याओं का निदान हेतु सभी कर्मचारी अपनी अपनी बातों को प्रस्तुत किया कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नंदकिशोर बिंदने अब तक के किए गए अपने कार्यों का विश्लेषण किया एवं विभिनन्‍ मांगों को किस प्रकार समस्या का निदान किया जाए इस पर विस्तृत प्रकाश डाला इस बैठक में अध्यक्ष- नंदकिशोर बिंद, मंत्री- भोलानाथ, कोषाध्यक्ष शहजाद अहमद खान, संरक्षक चंद्रेश जी मंडल सचिव -मोहम्मद आरिफ कुरेशी, प्रांतीय संगठन- मंत्री अमृत लाल गुप्ता ,विनोद कुमार कुशवाहा ,पीसी सिंह, अमृतलाल साहू, रामसमुझ ,अजय कुमार, सुंदृका प्रसाद ,रामप्रीत उमाशंकर अभिषेक रंजन ,प्रदीप भूषण पंडित ,संजय दुबे ,आलोक कुमार शर्मा ,विनोद कुशवाहा, बालकृष्ण त्रिपाठी ,भास्कर नाथ त्रिपाठी, रश्मि श्रीवास्तव, सुशीला ,नगीना सिंह ,प्रिंयका विश्वकर्मा ,अनीता सरोज पंकज सिंह ,आलोक नाथ शर्मा ,अभिषेक सिंह कनौजिया, श्रीनाथ, सूर्यमणि बिपिन बिहारी कौशल इत्यादि लोगों ने इस बैठक में सम्मिलित हुए।

# खरवार गैंग के 8 सदस्य पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार सेवा)

**प्रयागराज ।** थरवई जैसी सामूहिक हत्याकांड और डकैती को अंजाम देने की योजना बनाते ख़रवार गैंग के 8 सदस्य

सोरांव में पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किए गए। एसएसपी अजय कुमार के अनुसार अंतर्राज्यीय दुर्दांत नबला खरवार गैंग से संबंधित बदमाशों ने गिरफ़्तारी के दौरान पुलिस पार्टी पर जान से मारने की नीयत से फ़ायरिंग की। पुलिस पहले से ही मुस्तैद थी। फ़ायरिंग का जवाब देते हुए सरग़ना समेत कुल 8 बदमाशों को गिरफ़्तार किया गया बदमाशों के क़ब्ज़े से सरिया, सब्बल, पेंचकस, हथौड़ा तथा असलाह कारतूस बरामद किया गया एसएसपी ने कहा, पुलिस की मुस्तैदी से बड़ी घटना होने से बची क्योंकि रेकी करने के बाद ये बदमाश डकैती, हत्या और आगज़नी जैसी वीभत्स घटना को अंजाम दे सकते थे। फिलहाल दुर्दांत बदमाशों से पूछताछ जारी है।

# माली का पूरा खंसार में उर्स पर जुटे अकीदत मंद

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

**फूलपुर।** बीती रात कोतवाली के खंसार माली का पूरा गांव में सैयद गुलाम रहमत बाबा की दरगाह पर

सालाना उर्स सादगी से मनाया गया। बता दें कि आयोजक गण के एक सगे रिश्तेदार की बुधवार को तिलई के पास अराजक तत्वों ने चाकू से गोदकर गला रेत कर हत्या कर दी थी। जिससे उर्स का कार्यक्रम महज औपचारिक रूप से मनाया गया। कौवाल अखतर अजमेरी एवं आफताब वारसी के बीच कौवाली का शानदार मुकाबला हुआ। परंतु श्रद्धालुओं की संख्या मामूली रही। आए हुए अकीदत मन्दो ने बाबा की मजार पर फूल एवं चादर पोशी के साथ मुल्क एवं गांव में अमन चैन की दुआएं मांगी। मुजावर मोहम्मद इसरार ने दुख की घड़ी में पधारे जायरीनो का धन्यवाद दिया। प्रधान भानु प्रताप पाल, दरगाही, आफताब, दयाराम बिंद, कमल यादव, योगेंद्र यादव, आसिफ नेता, इस्लाम, बुद्धू हलवाई आदि लोग मौजूद रहे।

# रेलवे सुरक्षा बल ने अपने अभियान मे बीना कागजात लगभग 75 लाख की 874 अदद सोने की अंगुठी गिरफ्त मे लिया

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

**बलिया।** रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, टिकटो के अवैध धन्धों में लिप्त लोगों एवं अवैध सामानों की धर-पकड़ सहित यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने का निरन्तर प्रयास किया है। उनके इस अभियान मे

पिछले एक पखवारे मे बड़ी सफलता मिली है।जहा नशीली पदार्थ खिलाकर लुटेरे गिरोह के सरगना सहित उसके सदस्यो को गिरफ्तार करने मे कामयाबी मिली वही,अवैध रेलवे टिकट बनाने वालो को अपने गिरफ्त मे लेने के साथ ही भूले-विखरे लोगो को उनके मंजिल तक परिजनो से मिलाने की सफलता के साथ ही चलती ट्रेन मे बीना कागजात लगभग 75 लाख रुपए की 874 अदद सोने की अंग्रुठी जब्त कर आयकर विभाग को संज्ञान मे दिया।यह इस पखवारे की सबसे बड़ी सफलता रेलवे सुरक्षा बल को मिली है। रेल प्रशासन के इस तत्परता से एक तरफ आम यात्रियों को ने एक तरफ राहत की साँस ली तो दूसरी ओर अवैध धंधेबाजो मे खलबली मच गई। पूर्वोत्तर रेलवे के इस अभियान के क्रम में 23 मई को रेलवे सुरक्षा बल, कप्तानगंज द्वारा गाड़ी सं. 15273 में 120 बोतल, रेलवे सुरक्षा बल, छपरा द्वारा छपरा कचहरी के यात्री प्रतीक्षालय से 1212 बोतल तथा रेलवे सुरक्षा बल, मऊ द्वारा गाड़ी सं. 15018 से 120 बोतल अवमानक पानी लावारिस हालत में जप्त कर संबंधित पोस्ट पर जमा कराया गया। मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी के जनसंपर्क अधिकारी अशोक कुमार के अनुसार रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, टिकटो के अवैध धन्धों में लिप्त लोगों एवं अवैध सामानों की धर-पकड़ सहित यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने का निरन्तर प्रयास किया जाता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रेलवे के इस अभियान मे रेलवे सुरक्षा बल,बनारस को प्लेटफार्म सं. 08 पर 11 वर्ष का एक लड़का लावारित हालत में मिला, जिसे चाईल्ड लाइन, बनारस को सुपुर्द किया गया। 22 मई, को मंडल सुरक्षा नियंत्रण कक्ष, वाराणसी की सूचना पर रेलवे सुरक्षा बल, देवरिया द्वारा गाड़ी सं. 05141 के देवरिया आगमन पर जनरल कोच से एक बेहोश व्यक्ति को उतार कर अस्पताल में उसका इलाज कराया गया और परिजनों के उपस्थित होने पर यात्री को उन्हें सुपुर्द किया गया। विगत 22 मई को रेलवे सुरक्षा बल, वाराणसी सिटी द्वारा प्लेटफार्म सं. 02 पर 02 व्यक्तियों को नशीले पाउडर के साथ गिरफ्तार किया गया। 22 मई को ही रेलवे सुरक्षा बल, छपरा द्वारा एक व्यक्ति के पास से यात्री का चोरी किया एक अदद मोबाइल एवं चांदी के पायल के साथ गिरफ्तार किया गया। 22 मई, 2022 को रेलवे सुरक्षा बल, देवरिया द्वारा एक व्यक्ति के पास से यात्री का चोरी किया एक अदद मोबाइल बरामद कर गिरफ्तार किया गया। अशोक कुमार जनसंपर्क अधिकारी वाराणसी के अनुसार विगत 22 मई को मंडल सुरक्षा नियंत्रण कक्ष, वाराणसी की सूचना पर रेलवे सुरक्षा बल, औंड़िहार द्वारा यार्ड में यात्री के गिरे एक मोबाइल को बरामद कर यात्री के उपस्थित होने पर सुपुर्द किया गया।20 मई, को रेलवे सुरक्षा बल, छपरा ने गाड़ी सं. 22532 से यात्री का छूटा हुए एक बैग बरामद किया। यात्री के उपस्थित होने पर बैग उसे सुपुर्द किया गया। 22 मई, को मंडल सुरक्षा नियंत्रण कक्ष, वाराणसी की सूचना पर गाड़ी सं. 15003 के रेलवे सुरक्षा बल एस्कोर्ट पार्टी द्वारा यात्री का छूटा एक बैग बरामद कर रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट, गोरखपुर पर जमा किया गया। जहां यात्री के उपस्थित होने पर बैग सुपुर्द किया गया। 22 मई, को रेलवे सुरक्षा बल, सीवान द्वारा गाड़ी सं. 12554 के कोच से एक व्यक्ति के पास से 874 अदद सोने की अंगूठी बरामद कर आयकर विभाग को सूचित किया गया। 22 मई, को मंडल सुरक्षा नियंत्रण कक्ष, वाराणसी की सूचना पर रेलवे सुरक्षा बल, सीवान द्वारा गाड़ी सं019601 से 62 अदद अंग्रेजी शराब की बोतल बरामद कर मुकदमा पंजीकृत किया गया।

# देश की राष्ट्रीय भाषा हिंदी ने समूचे राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने का काम बखूबी किया है-मंडल रेल प्रबंधक

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल निर्भीक

**बलिया।** वाराणसी मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के भारतेन्दु सभा कक्ष में मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन मंडल रेल प्रबंधक की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान मंडल रेल प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय ने राजभाषा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने वाले विभिनन्‍ विभागों के 24 कर्मचारियों को प्रशस्ति-पत्र एवं नगद पुरस्कार प्रदान कर पुरस्कृत किया। इस समारोह के अवसर पर अपने अध्यक्षीय संबोधन में मंडल रेल

प्रबंधक रामाश्रय पाण्डेय ने मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में सभी का हार्दिक स्वागत करते हुए कहा की हिंदी भारत संघ की राजभाषा है। प्राचीन काल से ही हिंदी देशभर में संपर्क भाषा के रूप में कार्य करती रही है। हिंदी ने पूरे राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने का काम बखूबी किया है। उन्होंने कहा की हिंदी भारत की राजभाषा है इसे जितना चाहे विस्तार कर सकते हैं,भाषा अभिव्यक्ति का माध्यम है जो हम अभिव्यक्त करते हैं वह सामने वाले के पास बहुत ही कम समय में पहुंच जाता है। आइऱ्ये हम अपने कार्य क्षेत्र में पहले राजभाषा हिन्दी का ध्यान रखेंगे और इसको आगे बढ़ाएंगे ।यह हर्ष का विषय है कि आप सभी के सहयोग से वाराणसी मंडल राजाभाषा के क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा हैं। मंडल में सभी कार्यों में राजभाषा का प्रयोग सफलता पूर्वक किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजभाषा विभाग द्वारा प्रकाशित की जाने वाली पत्रिका काशी प्रतिबिंब विमोचन के लिए तैयार है। जिसे हमारे रेल कमिऱ्यों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से समृद्ध करने का कार्य किया है। ठकठ क्षेत्र में स्थित होने के कारण राजभाषा हिंदी में कार्य करना हमारा नैतिक दायित्व है । हमें अपने दायित्वों का पूरी कर्तव्यनिष्ठा एवं गुणवत्ता के साथ निर्वहन करना है ताकि वाराणसी मंडल राजभाषा के क्षेत्र में सदैव शीर्ष पर रहें। इस अवसर पर सभी का स्वागत करते हुए अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक(इन्फ्रा) ज्ञानेश त्रिपाठी ने कहा सर्वप्रथम मैं मंडल राजभाषा कार्यान्वयन समिति की इस बैठक में आप सभी का हार्दिक स्वागत करता हूँ। राजभाषा विभाग द्वारा तैयार पहली ई- पत्रिका ठकाशी प्रतिबिंबठ विमोचन के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि मंडल कार्यालय में स्थित हिन्दी वाचनालय में एयर कंडिशन का प्रावधान किया जा रहा है साथ ही यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि वाचनालय में उपलब्ध पुस्तकों की सूची वाराणसी मंडल की साइट पर उपलब्ध करा दिया गया है। पाठक- गण अब ज्यादा सुबिधाजनक ढंग से इसका उपयोग कर सकेंगे । ठकाशी प्रतिबिंब पत्रिका हेतु अधिकारीयों,कर्मचारियों ने अपनी रचनाएँ उपलब्ध कराई है। आगे भी आपका सुझाव एवं रचनाएँ आमंत्रित है। जिससे पत्रिका को और ज्यादा रोचक एवं उपयोगी बनाया जा सके । उम्मीद है कि इस दिशा में आप सभी का सहयोग हमेशा मिलता रहेगा और हमारा मंडल राजभाषा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका प्रदान करता रहेगा। अशोक कुमार जनसम्पर्क अधिकारी वाराणसी ने मीडिया को बताया कि इस राजभाषा समारोह के इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक(इन्फ्रा) ज्ञानेश त्रिपाठी, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, संजीव शर्मा,वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (कर्षण) पंकज केशरवानी, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (ऍ) सत्य प्रकाश श्रीवास्तव, वरिष्ठ मंडल आंकड़ा एव संसाधन प्रबंधक, एस एन राम, मंडल कार्मिक अधिकारी विवेक मिश्रा,राजभाषा अधिकारी, जय प्रकाश राय एवं स्टेशन राजभाषा समिति के सदस्यगण समेत सभी मंडलीय अधिकारीगण उपस्थित रहे। समारोह के इस अवसर पर उपस्थित सभी का स्वागत करते हुए राजभाषा अधिकारी, जय प्रकाश राय ने राजभाषा पर सुझावों पर विस्तृत चर्चा की और सुधार के बारे में बताया । इस बैठक के दौरान राजभाषा प्रगति की समीक्षा की गयी ,पिछले कार्यन्वयन समिति की बैठक के कार्यवृन्त की पुष्टि की गयी तथा अगली बैठक हेतु सुझाव लिए गये ।

# नहीं हटे अतिक्रमण रोड पर आड़े तिरछे खड़े रहे वाहन

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

**फूलपुर।** कोतवाली फूलपुर में बुधवार को व्यापार मंडल एवं संभ्रांत नागरिकों की एक बैठक प्रदेश सरकार की मंशा अनुसार सड़कों पर अतिक्रमण बेतरतीब खड़े वाहन

पिच रोड पर सवारियां उतारने चढ़ाने वाले तहसील के पास रोड के दोनों हिस्सों में वाहनों की कतारें, सिम बेचने वालों, जूता चप्पल, फुल्की पापड़ की दुकानों, महिला विद्यालय गेट पर सवारियां भरने आदि का सिलसिला जारी है। अल्टीमेटम का समय समाप्त हुआ। अब प्रशासनिक कार्यवाही को अंजाम देने की ड्यूटी चल रही है। इस बीच तहसील मुख्यालय गेट पर एक ट्रक लड़ गई। जिससे दिन भर जाम की स्थिति रही। ट्रक वहीं खड़ी है। उसे हटवाया भी नहीं गया। आजकल आम का जूस बेचने वालों ने सड़क तक बांस के सहारे त्रिपाल लगाकर भीड लगवा रखी है। दुकान पटरी पर है। तो जूस पीने वाले बीच रोड पर खड़े होकर पिएंगे ही।

# शहरी बेरोजगार व्यक्तिगत एवं समूह ऋण का उठायें लाभ

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

**प्रतापगढ़।** परियोजना अधिकारी डूडा ने बताया कि नगर पालिका परिषद बेल्हा प्रतापगढ़ सीमान्तर्गत निवासित शहरी गरीबों को दीनदयाल अन्त्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अन्तर्गत एस0ई0पी0 (स्वरोजगार कार्यक्रम) के अन्तर्गत नगर पालिका परिषद बेल्हा में संचालित की जा रही है। उन्होंने बताया कि योजनान्तर्गत रोजगार करने एवं रोजगार बढ़ाने हेतु व्यक्तिगत ऋण अधिकतम धनराशि रूपये 2 लाख एवं समूह ऋण ग्रुप लोन अधिकतम धनराशि रूपये 10 लाख तक ब्याज सब्सिडी ऋण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते है। इच्छुक शहरी बेरोजगारों जिनकी वार्षिक आय रूपये 1 लाख से कम हो ऋण आवेदन पत्र डूडा र्कालय से निःशुलक प्राप्त कर सकते है जिन लाभाथिऱ्यों की ऋण बैंकों से स्वीकृत/वितरण होगा उन्हें ब्याज सब्सिडी के रूप में 7 प्रतिशत से अधिक लगने वाले ब्याज को सब्सिडी के रूप में लाभार्थी के ऋण खाते में दी जायेगी। लाभार्थी आवेदन के साथ आधार कार्ड, बैंक पास बुक की फोटोकापी, शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, 02 फोटो, आय प्रमाण पत्र की छायाप्रति आवेदन के साथ संलग्न्‍ कर दिनांक 15 जून 2022 तक जमा कर सकते है। इच्छुक व्यक्ति जिला नगरीय विकास अभिकरण डूडा कार्यालय प्रतापगढ़ से निःशुल्क आवेदन पत्र प्राप्त व जमा कर सकते है।

# जिलाधिकारी ने अधिकारियों संग की मातृ मृत्यु की समीक्षा

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

**प्रतापगढ़।** जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में सभी सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, जिला महिला अस्पताल में प्रसूता महिलाओं के इलाज एवं उनकी मृत्यु के कारणों की विस्तृत समीक्षा की। जिलाधिकारी ने सभी प्रभारी चिकित्साधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों से जिला महिला चिकित्सालय में कोई भी ट्रिपिकल केस रेफर करने के पूर्व अधीक्षक महिला चिकित्सालय को दूरभाष पर अथवा व्हाट्सएप के माध्यम से सूचित किया जाये ताकि सम्बन्धित मरीजों का तत्काल उपचार शुरू हो सके। जिलाधिकारी ने प्रभारी चिकित्साधिकारियों को मातृ मृत्यु को गम्भीरता से लेते हुये इसकी सम्यक इलाज एवं सही समय पर अस्पताल में पहुॅचने हेतु एम्बूलेन्स की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि गर्भवती महिलाओं की प्रारम्भिक जांच, टीकाकरण एवं एनीमिया हेतु सम्बन्धित आशा का दायित्व निर्धारित किया जाये यदि आडिट में यह पाया जाये कि आशा द्वारा अस्पताल में प्रसव कराने में लापरवाही बरती गयी है तो उनके विरूद्ध कार्यवाही की जाये। उन्होने सभी चिकित्सकों को निर्देश दिया कि संस्थागत प्रसव हेतु सरकार द्वारा आशा सहित प्रसूताओं को भी प्रोत्साहन धनराशि दी जा रही है इसके बावजूद घरेलू प्रसव की घटनाओं का होना स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही को दर्शाता है। उन्होने कहा कि चिकित्सकों को इस पर विचार करना चाहिये कि प्रसूता महिलाओं को कैसे बेहतर चिकित्सा सुविधा ससमय उपलब्ध करायी जा सकती है। जिलाधिकारी ने 15 से 17 वर्ष आयु के छूटे हुये युवाओं का आगामी सप्ताह में अभियान चलाकर वैक्सीनेशन कराने को निर्देश दिया।मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा बताया गया कि 12 से 14 वर्ष के बच्चों का 80 प्रतिशत वैक्सीनेशन कराया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि शत प्रतिशत वैक्सीनेशन पूरा किया जाये तथा ऐसे गांवो को चिन्हित करें जहां पर अभी तक सबसे कम वैक्सीनेशन कराया गया है। उन्होने कहा कि कोविड का खतरा अभी टला नही है जिसकी भी प्रतिरोधक क्षमता कम है उनके प्रभावित होने की सम्भावना ज्यादा है। अतः हमें जागरूक रहकर कोविड अनुशासन का पालन करना होगा। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 अरविन्द कुमार श्रीवास्तव, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार सहित समस्त प्रभारी चिकित्साधिकारी व स्वास्थ्य विभाग के सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

# माफियाओं के खिलाफ डटकरकार्यवाही करने वाले पीडीए के ओएसडी का तबादला

(आधुनिक समाचार सेवा)

**प्रयागराज।** प्रयागराज विकास प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी /जोनल अधिकारी आलोक कुमार

पाण्डेय का आखिरकार गुरुवार को तबादला हो गया। उनको सहारनपुर प्राधिकरण से सम्बद्ध कर दिया गया है। प्रदेश की योगी सरकार के पार्ट वन और टू में माफियाओं और अवैध प्लाटिंग करने वालों के खिलाफ ओएसडी आलोक पाण्डेय ने जोरदार कार्रवाई की थी। लेकिन उनका तबादला रातों-रात सहारनपुर विकास प्राधिकरण में कर दिया गया। आलोक पाण्डेय भू माफियाओं के खिलाफ की गई कार्यवाही में सबसे आगे रहने वाले अफसरों में शामिल थे। इतना ही नहीं उन्होंने सड़क चौड़ीकरण के काम में भी मकानों को तोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। माफियाओं के भवनों के ध्वस्तीकरण में एक्सपर्ट के तौर पर जिम्मेदारी निभाई और अवैध प्लाटिंग करने वाले प्रॉपर्टी डीलरों के खिलाफ भी कार्यवाही में शामिल रहे। अलोक कुमार पांडेय द्वारा किए गए इन सभी कार्यो को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता उच्चाधिकारियों को इनके तबादले के बारे में पुनः विचार करने की आवश्यकता है इन्होंने प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा दी गई सभी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया है इनके जैसे अफसर ही भू माफियाओं दबंगों से ना डरते हुए डटकर अपनी जिम्मेदारी को पूरा करते हैं इनके तबादले के बारे में दोबारा विचार करने की जरूरत लगती है।

# गुरमुरा में 4 दिन से बिजली गायब उपभोक्ता परेशान

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरी

**डाला (सोनभद्र)।** बीते रविवार देर शाम लगभग छः बजे एकाएक तेज आंधी बारिश आने के कारण रोड किनारे लगे पेड़ बिजली के पोल पर गिर जाने के कारण गुरमुरा क्षेत्रो में चार दिनों से बिजली बाधित हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार विद्युत उपभोक्ता पानी और गर्मी को लेकर परेशान हैं लोगों ने बताया कि इसकी सूचना बिजली विभाग द्वारा दी गई शिकायती नम्बर 1912 पर भी किया गया लेकिन आज चार दिन बीत जाने के बाद भी बिजली बहाल नही हुई। उपभोक्ताओं का कहना है कि यह बिजली विभाग की लापरवाही हैं जो चार दिनों से टूटे पोल को नही बदलवा सके क्योंकि सरकार भी बिजली को लेकर तरह तरह की दावे कर रही लेकिन धरातल पर कुछ भी नही दिख रहा हैं। हालांकि इस संदर्भ में बिजली विभाग के जेई ने हर दिन आश्वासन देते रहे हैं कि आज चालू हो जाएगा तो आज शाम चालू हो जाएगा परन्तु चार दिन बीत जाने के बाद भी बिजली बहाल नही हो सका।आज इस संदर्भ में बिजली विभाग के जेई ने बताया कि काम चल रहा हैं सम्भवतः आज बिजली बहाल हो जाएगी बहरहाल समाचार लिखें जाने तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं किया जा सका।

# अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन कर जताया विरोध

**मीरजापुर।** न्यायालय परिसर का चक्रमण कर अधिवक्ताओं ने बुधवार को विरोध-प्रदर्शन किया। सिविल लाइन पेट्रोल पंप तिराहे पर विरोध जताया। जिलाधिकारी कार्यालय के सामने नारेबाजी कर अपना विरोध जताया। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन में अध्यक्ष जटाधर द्विवेदी की अध्यक्षता में बैठक हुई। वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम सुंदर शुक्ला से डीएम की ओर से किए गए दुर्व्यवहार को सर्वसम्मति से निणर्य लिया गया कि 26 मई को सभी अधिवक्ता न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे। सुबह आठ बजे न्यायालय परिसर का चक्रमण करते हुए प्रदर्शन करेंगे। स्टांप वेंडरों से दुकान बंद कर प्रदर्शन में सहयोग करने की अपील की। संचालन सचिव राम सागर सरोज ने किया। गंगा प्रसाद यादव, कृष्ण मोहन त्रिपाठी, बिहारी प्रसाद सिंह, कृपाशंकर मिश्र, बैकुंठ नाथ त्रिपाठी, हीरा लाल पांडेय, सुरेश सिंह, पंकज श्रीवास्तव, ओम नारायण मिश्रा, रतन मिश्रा, प्रकाशनाथ उपाध्याय आदि रहे। उधर लालगंज में उपरौध अधिवक्ता समिति के अधिवक्ताओं ने तहसील परिसर में नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। लालगंज समिति के पूर्व अध्यक्ष केदारनाथ शुक्ला के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने नारेबाजी की। प्रदर्शन में अरुण कुमार त्रिपाठी, विपिन तिवारी, राजकुमार पांडेय, रामेश्वर मिश्रा, श्रीचंद यादव, चंद्रदत्त त्रिपाठी आदि अधिवक्ता शामिल रहे।

# गैंगस्टर का आरोपित 25 हजार का इनामिया गिरफ्तार

**चुनार (मीरजापुर)।** पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित 25 हजार रुपय के इनामिया को गुरुवार को दुर्गाजी मोड़ से गिरफ्तार कर लिया। आरोपित प्रदीप उर्फ बबलू उर्फ संजय वर्मा पुत्र रमाकांत वर्मा कहीं भागने की फिराक में था लेकिन पकड़ा गया। आरोपित ग्राम रामपुर बंतरा थाना नंदगंज जिला गाजीपुर का रहने वाला है। इपुलिस उपाधीक्षक रामानंद राय ने बताया कि आरोपित अदलहाट थाने में गैंगस्टर तथा गोवध निवारण अधिनियम में वांछित था। पिछले 6 माह से माह से फरार चल रहा था। इस पर पुलिस अधीक्षक की ओर से 25000 का इनाम घोषित किया गया था। मामले की विवेचना चुनार प्रभारी निरीक्षक कर रहे थे। प्रभारी निरीक्षक त्रिवेणी लाल सेन गश्त पर थे। इसी दौरान आरोपित को पकड़ा गया। टीम में प्रभारी निरीक्षक चुनार के साथ चौकी प्रभारी कस्बा सुखबीर सिंह, चौकी प्रभारी चकगम्भीरा योगेंद्र नाथ यादव, कांस्टेबल अमित यादव, राम अवतार यादव, संजीव कुमार, सीताराम यादव, मनीष कुमार शामिल थे।

# घनश्याम हत्याकांड: दोषी मुंशी कोल को 8 वर्ष की कैद

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

**सोनभद्र।** 8 वर्ष पूर्व कुल्हाड़ी से प्रहार कर हुए घनश्याम हत्याकांड के मामले मेंअपर सत्र न्यायाधीश द्वितीय राहुल मिश्रा की अदालत ने वृहस्पतिवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी मुंशी कोल को 8 वर्ष की कैद एवं एक हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। वहीं अर्थदंड न देने पर तीन माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक चोपन थाना क्षेत्र के अलऊर टोला बैरिक टांडी की विमल देवी पतने स्वर्गीय घनश्याम कोल ने 26 जून 2014 को चोपन थाने में दी तहरीर में आरोप लगाया था कि उसके ससुर मुंशी कोल व उसके पति घनश्याम के बीच हल बैल को लेकर सुबह 9 बजे कहासुनी होने लगी। इसीबीच ससुर मुंशी कोल ने उसके पति घनश्याम के ऊपर कुल्हाड़ी से प्रहार कर दिया। लोगों को आते देखकर मुंशी कोल कुल्हाड़ी लेकर जंगल की ओर भाग गया। उधर गंभीर चोट लगने की वजह से पति घनश्याम की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस तहरीर पर अलऊर टोला बैरिक टांडी निवासी मुंशी कोल के विरुद्ध एफआईआर दर्ज किया गया था। पुलिस विवेचना के दौरान पर्याप्त सबूत पाए जाने पर विवेचक ने न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी मुंशी कोल को 8 वर्ष की कैद एवं एक हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई।

# बबलू हत्याकांड: दोषी संजय विश्वकर्मा को उम्रकैद

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

**सोनभद्र।** 13 वर्ष पूर्व दिनदहाड़े चाकू घोपकर हुई बबलू हत्याकांड के मामले विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट सोनभद्र अशोक कुमार की अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी संजय विश्वकर्मा को उम्रकैद एव 1000 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के हर्ष नगर राबर्ट्सगंज निवासी संजय पुत्र स्वर्गीय शंकर ने 8 सितंबर 2009 को राबर्ट्सगंज कोतवाली में दी तहरीर में आरोप लगाया था कि उसका बड़ा भाई बबलू शौच के लिए सुबह करीब 8 बजे घर से बाहर निकला था। जब राजा लाखन बाबा मंदिर के पास स्थित तालाब के पास सुबह करीब 8:30 बजे शौच करने जा रहा था तभी हाथ में चाकू लेकर राबर्ट्सगंज के वार्ड नम्बर 10 हमीदनगर निवासी संजय विश्वकर्मा पुत्र मंगलदास ने भाई को चाकू से मारने लगा। शोर करने पर ओमप्रकाश, हरिदास समेत आसपास के तमाम लोग आ गए। इतने में लोगों को देखकर चाकू लहराते हुए रेलवे स्टेशन की ओर भागने लगा। तब तक लोगों ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया। उसके कब्जे से चाकू भी बरामद हो गया। उधर चाकू से गम्भीर चोट लगने की वजह से भाई बबलू की मौके पर ही मौत हो गई। इस तहरीर पर पुलिस ने हत्या एव एससी/एसटी एक्ट में एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया और पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी संजय विश्वकर्मा को उम्रकैद एवं 1000 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील शशांक शेखर कात्यायन ने बहस की।

# निष्क्रिय टाउन वेंडिग कमेटी का हो पुनर्गठन व नए बाजार का निर्माण

**मीरजापुर।** विध्य हाकर्स यूनियन की ओर से गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर में केक काटकर विश्व हाकर्स दिवस मनाया गया। साथ ही डीएम को 11 सूत्रीय पत्रक सौंपकर पटरी व्यवसायियों के जीवन और आजीविका की सुरक्षा व व्यवसायिक माहौल सुनिश्चित करने की मांग की गई। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेश त्रिपाठी ने कहा कि पटरी दुकानदार अर्थव्यवस्था का एक अनिवार्य हिस्सा है। अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण व मजबूत कड़ी होने के बाद भी पटरी दुकानदारों की आजीविका व्यवस्थित नहीं हो सकी है। पथ विक्रेता अधिनियम 2014 को प्रभावी ढंग से लागू करना एक कठिन परीक्षा बन चुका है। जमीनी स्तर पर सर्वेक्षण कर कार्य करने की आवश्यकता है, ताकि पटरी व्यवसायियों का रोजी-रोटी चल सके और आजीविका अर्जित करने का रास्ता सुगम हो सके। निष्क्रिय टाउन वेंडिग कमेटी का पुनर्गठन निर्वाचन प्रक्रिया से हो न कि चयन प्रक्रिया से। सर्वेक्षण पूरा कर पथ विक्रेताओं को विक्रय प्रमाण पत्र जारी किए जाने तक बेदखल या विस्थापन न किया जाए। साथ ही टाउन वेंडिग कमेटी के माध्यम से नए बाजार का निर्माण एवं विकास किया जाए। इस दौरान राष्ट्रीय सचिव मनीष सिंह, स्मृति गुप्ता, धीरज पांडेय, शशांक शेखर मिश्रा, रीता सिंह, विजय, गुड्डू आदि थे।

# अध्यक्षता में सोनभद्र नगर मण्डल की आवश्यक संगठनात्मक बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

**सोनभद्र।** 24 मई मंगलवार को भाजपा नगर अध्यक्ष बलराम सोनी के अध्यक्षता में सोनभद्र नगर मण्डल की आवश्यक संगठनात्मक बैठक नगर के रामलीला मैदान के हॉल में हुई, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सरकार के 8 वर्ष पुर्ण होने के अवसर पर 30 मई से 15 जून तक चलने पखवाड़े के दौरान होने वाले कई महत्वपूर्ण संगठनात्मक कार्यक्रमों के बारे में विस्तृत रुप से चर्चा कर कार्यकर्ताओं को बताया, और जिलाध्यक्ष ने कहा की सभी कार्यकर्ता 30 मई से चलने वाले पखवाड़े के दौरान प्रत्येक बूथ पर प्रतिदिन 8 घण्टे समय देकर प्रवास कर घर घर जाकर मोदी सरकार के जन कल्याणकारी उपलब्धियों व अब तक किये गये सभी जनहितकारी कार्यों के बारे में लोगों को सहज भाव से बतायें, ताकि पात्र आमजनमानस सभी योजनाओं का लाभ आसानी से उठा सकें और जाने भी, इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जिला कोषाध्यक्ष राकेश मेहता, पुष्पा सिंह, बि एन गुप्ता, संजय जायसवाल, रविन्द्र केशरी, दिलिप चौबे, विजय केशरी, अंशु अग्रहरि, अभिषेक श्रीवास्तव, अनुपम तिवारी, सन्तोष भारती, सरोज केशरी, रूबी गुप्ता, प्रमिला त्रिपाठी, नर्मदा केशरी, प्रकाश केशरी, धिरेन्द्र पाण्डेय, महेश सोनी, विजय विश्वकर्मा, राजबहादूर पटेल, नीरज विश्वकर्मा, राहुल शर्मा, अनमोल सोनी,श्रीजन श्रीवास्तव, अशोक भारती, अतुल, बिनोद सोनी, और भी कई महत्वपूर्ण कार्यकर्ताओं की उपस्तिथि रही,

# बालु साईड पर काम करने वाले लोगों कि गुंडा गर्दी चरम सीमा पर

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

**सोनभद्र।**आधी रात में कल बालु साईड पर दबंग मुंशी एवं उनके अन्डर में काम करने वाले कर्मचारी द्वारा ट्रक ड्राईवर एवं एवं खैलाशी को जम कर पिटाई कि गई मिली जानकारी के अनुसार जुगैल थाना क्षेत्र अंतर्गत एक बालू साईट पर बीती रात लगभग 2 बजे पार्किंग में नंबर लगाने की बात को लेकर बालू साइट के कर्मचारी ट्रक चालकों से उलझ गये और देखते ही देखते लाठी डंडे चलने लगे सर पर गम्भीर चोट भी लगी जिसके बाद पाँच लोग घायल हो गये । जिसमें एक व्यक्ति को सर में गंभीर चोटे आई हैं बताया जाता है कि आधी रात को हुए इस मारपीट के बाद बालू साइट पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया उधर किसी व्यक्ति द्वारा सारे मामले को ट्वीट के द्वारा डीआईजी को दी गयी । जिसके बाद डीआईजी मिर्जापुर ने घटना को संज्ञान लेते हुए तत्काल उचित कार्यवाही का आदेश दिया । जिसके बाद जुगैल पुलिस मौके पर पहुँच कर शांति व्यवस्था जुट गई जुगैल थाना क्षेत्र अंतर्गत जितनी भी बालू साइटे चल रही हैं सभी पर बालू साइटों पर लोडिंग के लिए आने वाले ट्रकों को टोकन दिया जाता है और नंबर से लोडिंग कराई जाती है । बीती रात इसी बात को लेकर बालू साइट के कर्मचारियों और ट्रक चालकों में कहासुनी हो गई और देखते ही देखते मारपीट शुरू हो गई घायलों ने बताया कि जब हम लोग टोकन लेकर आगे बढ़े तो कुछ कर्मचारी रोक लिए और कहने लगे बिना नंबर के कैसे आ गये जिसके बाद उनको टोकन दिखाया गया फिर भी वे नहीं माने और पैसा मांगने लगे, जिसपर हम लोगो ने ऐतराज किया तो मारपीट पर उतारू हो गये और फोन करके अपने अन्य सहयोगी कर्मचारियों को बुला लिये और हाकी डंडा-लाठी से मारना पीटना शुरू कर दिये । जिसके बाद चार लोग घायल हो गये । सभी घायल करगरा गाँव के निवासी बताये जा रहे हैं ।आज सभी को गोपनीय तरीके से वाराणसी किसी निजी हॉस्पिटल में ले जाया गया हैं बालू साइडों पर इस समय दबंगई से काम हो रहा है कि मेरा कुछ नही हो सकता एक तरफ सरकार माफियाओं को खत्म करने कि बात कर रही है वहीं दूसरी तरफ सोनभद्र में कुछ बालु साईड पर गुन्डा गर्दी चरम पर नजर आरही है वहीं दूसरी तरफ बरसात से पहले तेलुगू डोवा एवं ससन्ई तक कि बालु साईड पर बरसात के आने से पहले बालु को डम्प करने का कार्य तेजी से चल रहा है डम्प करने का सिलसिला इतनी तेजी से हो रहा है कि तेलुगू डोवा कि साइड पर डम्प बालु दूर से ही नजर आरही है।

# पोषण पाठशाला में एक्सपर्ट ने बताया स्तनपान का महत्व

**मीरजापुर।** कचहरी स्थित एनआइसी में बाल विकास विभाग द्वारा पोषण पाठशाला का आयोजन वीडियो कांफ्रेंसिग के माध्यम से किया गया। पोषण पाठशाला के माध्यम से जनमानस संग सभी लाभार्थियों को विभागीय योजनाओं, पोषण प्रबंधन, कुपोषण से बचाव के उपाय, पोषण शिक्षा आदि के बारे में जानकारी दी गई। पोषण पाठशाला में विशेषज्ञ डा. रेनू श्रीवास्तव, डा. मोहम्मद सलमान खान डा. मनीष कुमार सिंह द्वारा प्रशिक्षित किया गया। जिला कार्यक्रम अधिकारी वाणी वर्मा, डिप्टी सीएमओ डा. निलेश श्रीवास्तव, सीडीपीओ विमलेश पाल, आरएन सिंह, विकास शुक्ला, रमेश कुमार, अरुण कुमार लाभार्थियों के साथ शामिल हुए। कार्यक्रम का मुख्य थीम शीघ्र स्तनपान - केवल स्तनपान है। इसके लिए मई व जून में प्रदेश में नो वाटर, ओनली ब्रेस्ट फीडिग कैंपेन (पानी नहीं, केवल स्तनपान) चलाया जा रहा है। पोषण पाठशाला में विभागीय अधिकारियों के अलावा विभिन्न विषयों के जानकारों ने शीघ्र स्तनपान-केवल स्तनपान के महत्व समेत विभिन्न मुद्दों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। साथ ही जनपद के 2668 आंगनबाड़ी केंद्रों से लाभार्थियों के पूछे गये प्रशनें का उत्तर भी दिया गया। बताया कि शिशुओं में शीघ्र स्तनपान व केवल स्तनपान उनके जीवन की रक्षा के लिए एक बूटी से कम नही है, लेकिन समाज में फैले हुए भ्रामक तथ्यों से यह सुनिश्चित नहीं हो पाता है, यह बच्चों के स्वास्थ्य के लिए जानलेवा साबित होता है। इसलिए विभाग ने मई व जून माह में पानी नहीं, केवल स्तनपान का अभियान चलाया है। बच्चों के लिए मां का दूध दवा के समान माना गया है। शिशु एवं बाल मृत्यु दर में कमी लाने के लिए यह आवश्यक है कि नवजात शिशु को जन्म के एक घण्टे के अन्दर स्तनपान कराना आवश्यक है व छः माह की आयु तक उसके केवल स्तनपान ही कराना चाहिए।

# सप्ताह में तीन दिन क्षेत्र में जाकर परखें विकास योजनाओं की हकीकत : आयुक्त

**मीरजापुर।** बुधवार को शासन के 37 बिदुओं पर विकास प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों की समीक्षा की गई। अफसरों को सप्ताह में तीन दिन क्षेत्र में जाकर विकास योजनाओं की हकीकत जानने के लिए निर्देशित किया गया। पथरहिया स्थित सभागार में आयुक्त योगेश्वर राम मिश्र ने कहा कि अधिकारी अपने विभाग की ओर से संचालित योजनाओं का नियमित अनुश्रवण करें। सप्ताह में तीन दिन क्षेत्र में जाकर विकास योजनाओं की हकीकत देखें। जनपद में अच्छे कार्यों का विवरण तैयार कर उसका प्रस्तुतीकरण करें। अधिकारी कार्यालयों में अपेक्षित सफाई सुनिश्चित करें। आगंतुकों के लिए शीतल पेयजल व्यवस्था भी रखें।मंडलायुक्त ने जनप्रतिनिधियों से प्राप्त शिकायतों का निस्तारण तत्परता से करने को कहा। उनसे अन्य बिदुओं पर भी फीडबैक प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। अपने विभाग के तहत गत वित्तीय वर्ष में पूर्ण कराए गए परियोजनाओं का स्थलीय सत्यापन कर आख्या उपलब्ध कराएं। अधिकारी अपने तैनाती स्थल पर रात्रि विश्राम सुनिश्चित करें। लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़कों के निर्माण की धीमी प्रगति पर गहरा असंतोष जताया। पुलिस उप महानिरीक्षक आरके भारद्वाज ने कानून व्यवस्था की समीक्षा में महिला उत्पीड़न पर कार्रवाई, गुंडा एक्ट, जिला बदर, गैंगेस्टर, दर्ज एफआईआर, हत्या लूट आदि की कार्रवाई की समीक्षा की। मंडलायुक्त ने अधीक्षण अभियंता सिचाई को निर्देश दिया कि सभी नहरों के सफाई का कार्य मनरेगा योजना के तहत प्रस्ताव तैयार कर 15 दिन के अंदर पूर्ण करा लें। प्रस्तावित नहरों की लंबाई व धनराशि का विवरण सीडीओ से अवगत कराएं। नहर तथा पटरियों का निरीक्षण करा लें, क्षतिग्रस्त होने पर 15 दिन के अंदर ठीक कराएं। नहरों पर अतिक्रमण हटवाएं। विद्युत विभाग में विद्युत आपूर्ति व अन्य मामलों की काफी शिकायत प्राप्त होने पर कड़ी नाराजगी जताई। संयुक्त विकास आयुक्त सुरेश मिश्र ने बताया कि झटपट पोर्टल पर मीरजापुर में 345, भदोही में 02 व सोनभद्र 134 प्रकरण लंबित हैं। इसी प्रकार ऊर्जीकरण के लिए मीरजापुर 215 व सोनभद्र में 100 प्रकरण लंबित हैं। निवेश मित्र पोर्टल पर मीरजापुर में 05, भदोही व सोनभद्र में क्रमशः एक-एक आवेदन पत्र लंबित है, जिसे ससमय निस्तारित कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी मीरजापुर प्रवीण कुमार लक्षकार, भदोही आर्यका अखौरी, सोनभद्र चंद्र विजय सिंह, पुलिस अधीक्षक अजय कुमार सिंह, सीडीओ मीरजापुर श्रीलक्ष्मी वीएस, भदोही भानु प्रताप सिंह, सोनभद्र अमित पाल शर्मा आदि रहे।

# रेलवे की टीम ने परखी संरक्षा व जाना सुरक्षा के हाल

**मीरजापुर।** उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज मंडल के मुख्य संरक्षा अधिकारी मनीष कुमार गुप्ता के नेतृत्व में संरक्षा से जुड़े 17 अधिकारियों के दल ने गुरुवार को मीरजापुर व चुनार स्टेशन का निरीक्षण किया। इस दौरान डिप्टी एसएम कार्यालय में स्थित पैनल रूम तथा प्लेटफार्म एक पर स्थित रूट रिले इंटर लाकिग कंट्रोल रूम का जायजा लिया। संरक्षा से जुड़े अभिलेखों को खंगालते हुए मातहतों से जानकारी हासिल की। टीम ने कहा कि संरक्षा के प्रति सभी सचेत रहे, किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। प्रयागराज से परख यान दोपहर 12 बजकर 40 मिनट पर मीरजापुर प्लेटफार्म एक पर पहुंचा। मुख्य संरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में टीम ने सबसे पहले प्लेटफार्म दो पर स्थित डिप्टी एसएस कार्यालय पहुंची। यहां बारी-बारी से संरक्षा से जुड़ी फाइलों एवं उपकरणों को देखा। एसएस रवींद्र कुमार, टीआइ मनीष कुमार, एडीएसटी राकेश पंडोले व एडीईएन प्रमोद कुमार मंडल से जानकारी हासिल की। इसके बाद प्लेटफार्म एक पर स्थित रूट रिले इंटर लाकिग कंट्रोल रूम में लगी सिगन्ल मशीनों की जांच की। दोपहर चुनार के लिए टीम रवाना हो गई। इस दौरान एडीआरएम परिचालन अजय कुमार राय, सीनियर डीओएम संजीव दीक्षित, संरक्षा पीडब्लूयूआइ अबसार अहमद, एएस फिलीप समेत, डा. विपिन सिंह, सीआइटी परवेज अहमद, आईओडब्लूयू अरविद कुमार, आरएन सिंह, जीसी शुक्ला, आरपीएफ प्रभारी दिनेश कुमार आदि रहे। सीएसओ व एडीआरएम ने किया निरीक्षण चुनार : मुख्य संरक्षा अधिकारी एमके गुप्ता व एडीआरएम आपरेशन अजय कुमार राय ने चुनार रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। उन्होंने मातहतों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। टीम ने सबसे पहले रेलवे फाटक पर स्थापित हाट एक्सेल, हाट व्हील व हैंगिग पार्ट डिटेक्शन सिस्टम को देखा। स्थानीय अधिकारियों से उसकी कार्यप्रणाली के बारे में पूछताछ की। दिल्ली-हावड़ा ट्रैक का निरीक्षण भी किया।

# आंधी से गिरा मड़हा, मलबे में दबने से वृद्ध समेत दो घायल

**मीरजापुर।** आंधी-तूफान के साथ हुई बारिश से लोगों को गर्मी से राहत जरुर मिली, लेकिन नुकसान भी हुआ। कई कच्चे मकान ढह गए तो कई पेड़ धराशाई हो गए। कई लोग घायल भी हुए। कछवां क्षेत्र के वार्ड थाना में स्थित साई मंदिर के पास स्थित एक मड़हा का जर्जर दीवार सोमवार को तेज आंधी के चलते गिर गया। इसके मलबे में 80 वर्षीय जलील व 40 वर्षीय मोहम्मद जाहीद दब गए। आसपास के लोगों ने काफी मशक्कत के दोनों को मलबे से बाहर निकालकर अस्पताल ले गए इसके बाद आक्रोशित स्वजनों ने सारा मलबा सड़क पर फेंककर जाम लगा दिया। आरोप लगाया कि मंदिर की तरफ से कुछ लोग घर का मरम्मत नहीं करने देते हैं, जिसके वजह से आज यह हादसा हुआ है। अगर मरम्मत नहीं कराया गया तो कभी भी अप्रिय घटना घट सकती है। जाम लगने की जानकारी पर कस्बा चौकी प्रभारी धर्मेंद्र कुमार मयफोर्स और नगर पंचायत के लिपिक दूधनाथ मौके पर पहुंच गए और सड़क पर फेंके गए मलबे को समझाकर बुझाकर हटवाया, तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली। हलिया : थाना क्षेत्र के दीघिया गांव निवासी शिवनारायण विश्वकर्मा का कच्चा मकान आम का पेड़ गिरने से जमींदोज हो गया। वहीं घर के दूसरे हिस्से में मौजूद परिवार के सभी सदस्य बाल-बाल बच गए। अनाज और गृहस्थी का सामान भी नष्ट हो गया। पीड़ित ने घटना की जानकारी ग्राम प्रधान दिनेश सिंह के साथ हल्का लेखपाल पकंज पटेल को दी और मुआवजे की मांग की। वहीं बैधा गांव में आंधी-पानी से कच्चे मकान की दीवार गिरने से दो अधेड़ महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। मंगलवार सुबह स्वजन घायलों को उपचार के लिए एंबुलेंस से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर गए। बैधा गांव निवासी 70 वर्षीय रामकली पतने मुड़ऊ पाल अपनी ननद 72 वर्षीय तेरसी पतने लोलर निवासी सोनगढ़ा के साथ आंधी-पानी के दौरान कच्चे मकान के बरामदे में बैठी थी। तेज बारिश की वजह से कच्चे मकान का दीवार भर-भराकर अचानक गिर पड़ा। इससे दोनों घायल हो गईं।

# केएल राहुल ने 600 से ज्यादा रन बनाए और टूट गिया क्रिस गेल व डेविड वार्नर का रिकाड

**नई दिल्ली।** लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान केएल राहुल के लिए बतौर बल्लेबाज ये सीजन काफी अच्छा रहा। बेशक उनकी कप्तानी

में लखनऊ की टीम को एलिमिनेटर मैच में हार मिली और इस टीम का फाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया, लेकिन इस टीम के प्रदर्शन से सबका मन जीता। एलिमिनेटर मैच में लखनऊ को 14 रन से आरसीबी के हाथों हार मिली, लेकिन टीम के कप्तान केएल राहुल ने 58 गेंदों पर 5 छक्के व 3 चौकों की मदद से 79 रन बनाते हुए टीम को जीत दिलाने की भरपूर कोशिश की। अपनी इस पारी के दम पर राहुल ने इस सीजन में 600 रन का आंकड़ा पार कर लिया और क्रिस गेल व डेविड वार्नर का रिकार्ड तोड़ दिया। केएल राहुल आइपीएल में साल 2013 से खेल रहे हैं और पिछले 9 सीजन में चार बार वो 600 से ज्यादा रन बना चुके हैं। राहुल अब आइपीएल के पहले ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं जिन्होंने चार सीजन में 600 से ज्यादा रन बनाने का कमाल किया है। केएल राहुल ने अब क्रिस गेल और डेविड वार्नर का रिकार्ड तोड़ दिया जिन्होंने इस लीग के तीन सीजन में 600 से ज्यादा रन बनाए थे। आइपीएल सीजन में सबसे ज्यादा बार 600 से ज्यादा रन बनाने वाले टाप 4 बल्लेबाज- 4- केएल राहुल- (2018,20,21,22) 3- क्रिस गेल- (2011,12,13) 3- डेविड वार्नर (2016,17,19) 2- विराट कोहली (2013, 2016) केएल राहुल का आइपीएल करियर केएल राहुल ने साल 2018 में 659 रन, 2020 में 670 रन, 2021 में 626 रन और 2022 में 616 रन बनाए हैं। आइपीएल 2022 में केएल राहुल ने 51.33 की औसत से 15 मैचों में 616 रन बनाए हैं जिसमें 2 शतक और 4 अर्धशतक शामिल है। इस सीजन में उनका बेस्ट स्कोर नाबाद 103 रन रहा है वहीं राहुल के आइपीएल करियर की बात करें तो उन्होंने 109 मैचों में 3889 रन बनाए हैं और उनके नाम पर कुल 4 शतक दर्ज हैं।

# रोहित, कोहली व अश्विन टेस्ट रैंकिंग में टाप-10 में बरकरार

**दुबई।** बांग्लादेश के लिटन दास और श्रीलंका के अनुभवी एंजेलो मैथ्यूज को दोनों टीमों के बीच ड्रा हुए पहले टेस्ट में शानदार प्रदर्शन की बदौलत आइसीसी की नवीनतम पुरुष टेस्ट रैंकिंग में फायदा हुआ है, जबकि शीर्ष-10 खिलाडि़यों की रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ है। बल्लेबाजों की सूची में मार्नस लाबुशाने शीर्ष खिलाड़ियों ने अंक हासिल किए। पहले टेस्ट में बांग्लादेश की एकमात्र पारी में 88 रन बनाने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास तीन स्थान के फायदे के 17वें स्थान पर पहुंच गए हैं। इस मुकाबले में मैन आफ द मैच रहे मैथ्यूज पहली पारी में 199 रन बनाकर पांच स्थान के फायदे से 21वें पायदान पर हैं।

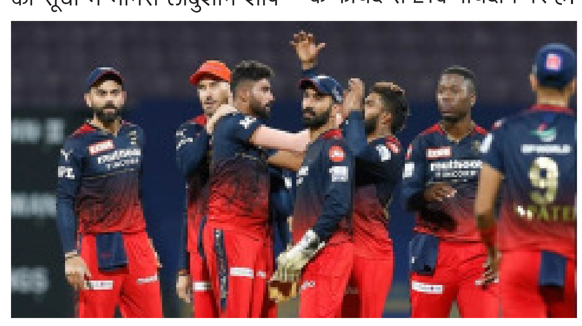

पर बरकरार हैं, जबकि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व कप्तान विराट कोहली क्रमशः आठवें और 10वें स्थान पर बने हुए हैं। गेंदबाजी सूची में पैट कमिंस (901 अंक) ने दूसरे स्थान पर मौजूद रविचंद्रन अश्विन पर 51 अंक की बढ़त बना रखी है, जबकि भारत के ही तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह तीसरे स्थान पर हैं। भारत के रवींद्र जडेजा आलराउंडर की सूची में शीर्ष पर बरकरार हैं। पिछली और मौजूदा रैंकिंग के दौरान सिर्फ श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज का मुकाबला हुआ इसलिए सिर्फ इन दो देशों के रैंकिंग के सप्ताहिक अपडेट में पहले टेस्ट में शतक जड़ने वाले बांग्लादेश के मुशिफकुर रहीम और तमीम इकबाल को भी फायदा हुआ है। मुशिफकुर 105 रन की पारी की मदद से चार स्थान आगे बढ़कर 25वें स्थान पर पहुंच गए हैं। तमीम छह स्थान के फायदे से 27वें पायदान पर हैं। तमीम ने 133 रन की पारी खेली थी। गेंदबाजों की रैंकिंग में बांग्लादेश के आलराउंडर शाकिब अल हसन एक स्थान आगे बढ़कर 29वें पायदान पर हैं। शाकिब ने पहले टेस्ट में चार विकेट चटकाए। आफ स्पिनर नईम हसन पहली पारी में करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते है।

# रजत का धमाका, छक्का जड़ते हुए पूरा किया शतक

**नई दिल्ली।** इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में बुधवार को रायल चैलेंजर्स बैंगलोर और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच एलिमिनेटर मुकाबला खेला गया। करो या मरो

के मुकाबले में केएल राहुल ने टास जीतकर बैंगलोर के खिलाफ पहले गेंदबाजी चुनी। इस मैच में विराट कोहली और कप्तान फाफ डु प्लेसिस तो नहीं चले लेकिन रजत पाटीदार ने धमाकेदार शतक जमाया। इस सीजन में शतक जमाने वाले वह चौथे बल्लेबाज बने। 112 रन की नाबाद पारी खेलकर उन्होंने टीम के स्कोर को 207 रन तक पहुंचाया। पहला विकेट जल्दी गिरने के बाद मैदान पर रजत ने कदम रखा था। पहले उन्होंने विराट कोहली के साथ पारी को संभाला और फिर खुलकर शाट्स लगाते हुए 28 गेंद पर 7 चौके और 2 छक्के की मदद से इस बल्लेबाज ने पहले फिफ्टी जड़ा। इस दौरान उन्होंने स्कोर को 70 रन तक पहुंचाया लेकिन कोहली के आउट होने से यह जोड़ी टूट गई। इसके बाद उन्होंने तीन अहम साझेदारी निभाई जिसमें से दिनेश कार्तिक के साथ 92 रन ने आरसीबी को 207 रन तक पहुंचाया। प्लेआफ में टीम के लिए रजत ने एक ऐसी यादगार पारी खेली जिसको हमेशा याद रखा जाएगा। मुश्किल वक्त में आकर टीम को संभाला और धमाकेदार शतक जमाया। 49 गेंद पर 11 चौके और 6 छक्के की मदद से इस बल्लेबाज ने सेंचुरी पूरी की। 54 गेंद पर 12 चौके और 7 छक्के की मदद से वह 112 रन बनाकर नाबाद लौटे। प्लेआफ में शतक बनाने वाले दिग्गजों की लिस्ट में उन्होंने अपना नाम शामिल करवाया। इस सीजन में अब तक कुल छह शतक बने थे जिसमें तीन राजस्थान के जोस बटलर के बल्ले से, दो लखनऊ के कप्तान केएल राहुल और एक उनके साथी ओपनर क्विंटन डिकाक ने बनाए। अब रजत पाटीदार इस धुरंधरों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। इससे पहले आइपीएल इतिहास में कुल चार बल्लेबाजों ने शतक बनाने का कमाल किया था। इसमें पूर्व विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का नाम भी शामिल है। शेन वाटशन, मुरली विजय और रिद्धिमान साहा ने भी यह कमाल किया हुआ है।

# अपनी टीम की इस गलती पर गुस्से में दिखे कप्तान केएल राहुल

**नई दिल्ली।** आइपीएल 2022 के एलिमिनेटर मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए आरसीबी ने 13.1 ओवर मे 4 विकेट पर 115 रन बनाए थे, लेकिन इसके बाद इस टीम के बल्लेबाज रजत पाटीदार और दिनेश कार्तिक ने गजब का गेयर बदला और 20 ओवर में 4 विकेट पर टीम के स्कोर को 207 रन पर पहुंचा दिया। आरसीबी की तरफ से रजत पाटीदार की बल्लेबाजी ऐसी रही जिसे लंबे वक्त जवाब में लखनऊ की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 193 रन की बना पाई और उसे 14 रन से हार मिली। इस हार के बाद लखनऊ का आइपीएल 2022 के फाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया और ये टीम प्लेआफ से बाहर हो गई। टीम की हार के बाद केएल राहुल निराश नजर आए और अपनी टीम की हार का सबसे बड़ा कारण बताया। केएल राहुल ने साफ तौर पर कहा कि हमने खराब फील्डिंग की और ने बहुत बड़ा अंतर पैदा कर दिया और जब किसी टीम के टाप तीन में से कोई बल्लेबाज शतक लगाता है तो फिर उस टीम के जीतने के मौके होते हैं। यही नहीं आरसीबी की फील्डिंग भी अच्छी रही जबकि हमने बेहद खराब फील्डिंग की। केएल राहुल ने कहा कि ये नई फ्रेंचाइजी है और हमने बहुत सारी गलतियां की है और हर टीम ऐसा करती है। हमारी टीम युवा है और सब अपनी गलतियों से सीखेंगे

तक याद रखा जाएगा और पहले उन्होंने सिर्फ 49 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया और फिर 54 गेंदों पर 7 छक्के व 12 चौकों की मदद से नाबाद 112 रन की पारी खेली। वहीं दिनेश कार्तिक ने भी उनका पूरा साथ निभाया और 23 गेंदों पर 1 छक्का और 2 चौकों की मदद से नाबाद 37 रन की जोरदार पारी खेली। आरसीबी के 207 रन के इसका खमियाजा हमें भुगतना पड़ा। उन्होंने कहा कि हमने आसान कैच ड्राप किए। आपके बता दें कि रजत पाटीदार जब दो रन पर खेल रहे थे तभी उनका एक कैच ड्राप हुआ था और इसके बाद एक बार फिर से उनका कैच लखनऊ के फील्डर ने छोड़ा था तब वो 70 रन से ऊपर खेल रहे थे। केएल राहुल ने कहा कि रतज पाटीदार की पारी और फिर अच्छी वापसी करेंगे। मोहसिन खान ने दिखाया कि उनके पास कितना शानदार हुनर है और कितने शानदार प्लेयर हैं। जैसे-जैसे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा उनकी गेंदबाजी और अच्छी होती चली जाएगी। उम्मीद है कि वो अगले सीजन तक और ज्यादा बेहतर हो जाएंगे।

# नीलामी में किसी ने नहीं खरीदा था, रजत पाटीदार ने प्लेआफ में तूफानी शतक के बाद दिया बयान........

**नई दिल्ली।** इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में अब महज दो मुकाबले और बचे हैं। प्लेआफ में पहुंची चार में से एक टीम गुजरात फाइनल में पहुंच चुकी है जबकि बैंगलोर और राजस्थान को क्वालीफायर 2 में खेलना है। बुधवार को आइपीएल 2022 के एलिमिनेटर में बैंगलोर ने बल्लेबाज रजत पाटीदार के धमाकेदार शतक के दम पर लखनऊ के खिलाफ बड़ा स्कोर बनाया। 112 रन की नाबाद पारी खेलने वाले इस बल्लेबाज को प्लेयर आफ द मैच चुना गया। कोलकाता के इडेन गार्डन्स मैदान पर बुधवार को आइपीएल 2022 के एलिमिनेट में बैंगलोर की टीम ने लखनऊ के खिलाफ 14 रन की जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही उसने क्वालीफायर 2 का टिकट पक्का कर लिया जहां उसका सामना क्वालीफायर 1 में गुजरात से हारने वाली राजस्थान की टीम के साथ होगा। इस मैच के हीरो रहे रजत पाटीदार कमाल की बात यह है कि उनको इस साल हुए आइपीएल के मेगा आक्शन में किसी टीम ने नहीं खरीदा था। रिप्लेसमेंट के तौर पर बैंगलोर की टीम में उन्हें बीच सीजन में जगह दी गई थी। मैच के बाद उन्होंने कहा, ठजब मैं गेंद को अच्छे से टाइम कर रहा था तो मेरा पूरा

ध्यान इसी के उपर केंद्रित था। जब पावरप्ले का आखिरी ओवर क्रुणाल कर रहे थे तो मेरी योजना बिल्कुल सही गई यहां से मुझे बहुत ज्यादा आत्मविश्वास मिला। विकेट बहुत ही कमाल का था और मैंने कुछ काफी अच्छे शाट्स भी लगाए। मैंने किसी तरह का कोई भी दबाव नहीं महसूस किया, मुझे लगता है कि मेरे अंदर डाट बाल की भरपाई करने की क्षमता है। मैं 2021 के आइपीएल के बाद क्लब क्रिकेट खेलने में बहुत ही ज्याद व्यस्त था। मुझे 2021 के आईपीएल के बाद नहीं चुना गया था लेकिन यह मेरे नियंत्रण में नहीं था।

# आइपीएल में 'शतक का किंग' है आरसीबी, सीएसके पांचवें नंबर पर तो टाप 5 से बाहर

**नई दिल्ली।** आरसीबी की तरफ से आइपीएल 2022 का पहला शतक रजत पाटीदार ने लगाया। उन्होंने इस सीजन के एलिमिनेटर मुकाबले में लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ गजब की पारी खेली और अपनी टीम की इस अहम मैच में जीत में

बड़ी भूमिका निभाई। इस सीजन में बेशक आरसीबी की तरफ से पहला शतक लगा, लेकिन आइपीएल में ये इस टीम की तरफ से 15वां शतक रहा। आरसीबी इस लीग में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में पहले नंबर पर है। आइपीएल में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली टीम आरसीबी है और अब तक इस टीम की तरफ से 15 शतक लग चुके हैं। वहीं इस लीग में जिस टीम की तरफ से सबसे ज्यादा लगाए गए हैं उसमें दूसरे स्थान पर पंजाब किंग्स हैं और इस टीम की तरफ से 13 शतक लगे हैं। तीसरे स्थान पर 12 शतक के साथ राजस्थान रायल्स तीसरे स्थान पर है। दिल्ली कैपिटल्स की तरफ से अब तक 10 शतक लगे हैं और वो चौथे स्थान पर है जबकि 9 शतक के साथ चेनन्ऊ सुपर किंग्स पांचवें नंबर पर है। सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस टाप 5 में नहीं है और इस टीम की तरफ से पिछले 15 सीजन में सिर्फ 4 शतक लगे हैं। आइपीएल में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली टाप 5 टीमें- आरसीबी- 15 शतक पंजाब किंग्स- 13 शतक राजस्थान रायल्स- 12 शतक दिल्ली कैपिटल्स- 10 शतक चेनन्ई सुपर किंग्स- 9 शतकआरसीबी की तरफ से पहला शतक साल 2009 में मनीष पांडे ने लगाया था और डेक्कन चार्जर्स के खिलाफ नाबाद 114 रन की पारी खेली थी। वहीं इस टीम की तरफ से क्रिस गेल ने 5 शतक लगाए हैं और सबसे बड़ी शतकीय पारी इस टीम के लिए खेलने वाले बल्लेबाज भी गेल ही हैं। गेल ने साल 2013 में पुणे वारियर्स इंडिया के खिलाफ नाबाद 175 रन की पारी खेली थी। आरसीबी के लिए एबी डिविलियर्स ने 2, विराट कोहली ने 5, देवदत्त पडीक्कल ने एक, रजत पाटीदार ने एक शतक लगाया है।

# केएल राहुल ने तोड़ा विस्फोटक क्रिस गेल का रिकार्ड, हार के बाद भी रचा इतिहास

**नई दिल्ली।** इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में नई टीम लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी करने उतरे केएल राहुल की टीम को एलिमिनेटर में हार मिली। रायल चैलेंजर्स बैंगलोर के खिलाफ कोलकाता के इडेन गार्डन्स मैदान पर टीम को 14 रन से हार मिली आइपीएल के 15वें सीजन से बाहर हो गई। धमाकेदार फार्म में चल रहे राहुल ने पिछले तीन सीजन में लगातार 500 से ज्यादा रन बनाए हैं। इस सीजन में उनके नाम 15 मुकाबले के बाद 616 रन बनाए जिसमें दो शतकीय पारी शामिल रही। उन्होंने इस दौरान क्रिस गेल

और उसके टूर्नामेंट जीतने का सपना टूट गया। इस मैच में कप्तान राहुल ने 79 रन की पारी खेले लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए। लखनऊ की टीम ने एलिमिनेटर में टास जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी और आरसीबी ने रजत पाटीदार के तूफानी शतक के दम पर 207 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में लखनऊ की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 193 रन तक ही पहुंच पाई। 14 रन से मुकाबला हारने के साथ ही टीम को 100 पारियों में रन बनाने के मामले में पीछे छोड़ दिया। 100 मैच के बाद राहुल ने 3889 रन बनाए हैं जबकि गेल ने 3626 रन ही बनाए थे। इस लिस्ट में डेविड वार्नर 3373 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं। फाफ डु प्लेसिस ने 100 आइपीएल पारी के बाद 3373 रन बनाए थे। अजिंक्य रहाणे और सुरेश रैना ने 2901 रन बनाए थे। एबी डिविलियर्स इस लिस्ट में 2890 रन के साथ सबसे नीचे नजर आते हैं।

# अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा है कि उमरान लंबे समय तक खेलेंगे यदि करेंगे ये काम

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ण्ण्ग) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने रफ्तार के किंग और अपनी गेंदबाजी से आइपीएल के इस सीजन में जलवे बिखरने वाले गेंदबाज उमरान मलिक की जमकर प्रशंसा की है। उमरान मलिक के लिए यह सीजन किसी सपने से कम नहीं रहा है। इस सीजन में उन्होंने 14 मैचों में 9.03 की इकोनामी से 22 विकेट हासिल किए हैं। इतना ही नहीं उनकी इसी प्रदर्शन का नतीजा है कि जब सेलेक्टर्स ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले 5 टी20 मैचों के लिए टीम चुनी तो उमरान का नाम वो छोड़ नहीं पाए और उन्हें 18 सदस्यीय टीम में जगह मिली। बीसीसीआइ प्रमुख ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि वो लंबे समय तक भारत के लिए खेल सकते हैं यदि वो खुद को फिट रखने में कामयाब रहें। बुधवार को गांगुली ने कहा कि उनका भविष्य उनके हाथ में है अगर वह फिट रहता है और इसी गति से गेंदबाजी करता है, तो मुझे यकीन है कि वह लंबे समय तक खेलते रहेंगे।ठ उन्होंने आइपीएल के इस सीजन में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बाकी युवा खिलाडियों की भी तारीफ की।

# राशिफल

**मेष**-:आपको रुका हुआ धन मिलेगा और आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. घर में कुछ बदलाव आपको काफी भावुक कर सकते हैं, लेकिन जो आपके लिए खास हैं, उनके सामने आप अपनी भावनाओं का इजहार कर पाएंगे।

**वृष**-:आज आपका मन पूजा-पाठ में अधिक लगेगा. आज आप अपने माता-पिता के साथ मंदिर जाने की योजना बना सकते हैं। कई दिनों से चली आ रही परेशानियां आज खत्म हो सकती हैं।

**मिथुन**-:परिवार के लिए आज का दिन शुभ है। आत्म विश्वास में वृद्धि होगी। बहुत उत्साहित रहेंगे। साहसिक कार्य करने से बचें। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

**कर्क**-:आपके घर से जुड़ा निवेश फायदेमंद रहेगा। अपने करीबी लोगों के सामने ऐसी बातें उठाने से बचें, जो उन्हें दुखी कर सकती हैं। प्रेम की दृष्टि से आज का दिन बेहद खास रहेगा।

**सिंह**-:आज का दिन लाभकारी रहेगा. आज आपके दोस्त आपके रुके हुए काम में आपकी मदद करेंगे। आज आपके शत्रु आपसे दूरी बनाए रखेंगे। आज आपको अपने किसी करीबी से खुशखबरी मिल सकती है।

**कन्या**-:आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं. जल्दबाजी में निर्णय न लें। व्यापार और व्यापार के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी।

**तुला**-:आपके घर से जुड़ा निवेश फायदेमंद रहेगा. यदि बातचीत और चर्चा आपके अनुसार नहीं है तो आप गुस्से में कड़वी बातें कह सकते हैं, जिसके बारे में आपको बाद में पछताना पड़ सकता है।

**वृश्चिक**-:आज आपका दिन राहत भरा रहने वाला है. आज आपके पारिवारिक जीवन में उत्साह का माहौल रहेगा। इस राशि के शायरों के लिए आज का दिन बेहद अहम रहने वाला है। आज आपको अपनी प्रतिभा का पुरस्कार भी मिल सकता।

**धनु**-:आज का दिन नया काम शुरू करने के लिए शुभ समय है. परिवार के सदस्यों के साथ मतभेद दूर कर आप अपने उद्देश्यों को आसानी से पूरा कर सकते हैं। प्रिय व्यक्ति से मेल-मिलाप होगा।

**मकर**-:आज का दिन विशेष है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण कार्य करने की क्षमता देगा. यदि आप आय में वृद्धि के स्रोतों की तलाश कर रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें।

**कुंभ**-:आज भाग्य साथ देगा. ऑफिस में आज का काम इस राशि के बिजनेसमैन को ज्यादा फायदा देने वाला है। यदि आप कोई नया व्यवसाय शुरू करने की सोच रहे हैं तो आज का दिन शुभ है। धन के साथ सुख आएगा।

**मीन**-:आज निर्णय न ले पाने के कारण नए कार्यों की शुरुआत करना आपके लिए शुभ नहीं है. आज आप रिश्ते में औपचारिकता बनाए रखेंगे, अन्यथा मनमुटाव होने की संभावना है। मनोबल से सभी कार्य पूर्ण होंगे।

# सम्पादकीय

## किसी सैन्य घटक के बिना क्वाड न तो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति कायम करने में समर्थ हो सकेगा और न ही चीन की काट कर पाएगा

टोक्यो में आयोजित क्वाड देशों का तीसरा शिखर सम्मेलन विश्व व्यवस्था के निर्धारण में हिंद-प्रशांत की केंद्रीय भूमिका की पुष्टि का प्रतीक है। इस समय रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान पूर्वी यूरोप पर टिका हुआ है। ऐसी स्थिति में क्वाड के चारों देशों भारत, अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया के राष्ट्र प्रमुखों का जापान में बैठक करना और एशिया के भविष्य की रूपरेखा पर रणनीति बनाना यही संकेत करता है कि एशिया में शक्ति संतुलन ही अंततः वैश्विक भू-राजनीति एवं भू-अर्थनीति में निर्णायक सिद्ध होगा। द्वितीय विश्व युद्ध के उपरांत अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति यही रही कि दुनिया के तीन प्रमुख क्षेत्रों में किसी भी प्रतिद्वंद्वी को हावी नहीं होने देना है। ये प्रमुख क्षेत्र रहे यूरोप, पश्चिम एशिया और पूर्वी एशिया। इसके पीछे अमेरिका का यह सोच रहा कि इनमें से कहीं भी अगर शक्ति संतुलन अमेरिका के विपरीत गया तो उसके लिए वैश्विक महाशक्ति बने रह पाना संभव नहीं होगा। बाइडन प्रशासन द्वारा 2021 में जारी 'राष्ट्रीय सुरक्षा सामरिक मार्गदर्शन' में यही दोहराया गया है। उससे यही स्पष्ट होता है कि अमेरिकी सुरक्षा के लिए दुनिया के प्रमुख क्षेत्रों पर विरोधियों का आधिपत्य होने से रोकना अनिवार्य है। पश्चिम एशिया और यूरोप में कोई ऐसी शक्ति नहीं जो अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती दे सके। ईरान और रूस जैसे देश अमेरिका को परेशान करते आए हैं, लेकिन उनमें उतना आर्थिक एवं सैन्य बल नहीं, जिससे वे अमेरिका को मात दे सकें। केवल पूर्वी एशिया में स्थित चीन ही अमेरिका को चुनौती देने में सक्षम दिखाई पड़ता है और वह इसके कमर भी कस रहा है। अमेरिका भी इससे भलीभांति अवगत है। यही कारण है कि अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र ही इक्कीसवीं सदी के भविष्य को परिभाषित करेगा और अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन इस मामले में अमेरिकी नेतृत्व एवं भागीदारी को लेकर प्रतिबद्ध हैं। उल्लेखनीय है कि क्वाड के साथ ही अमेरिका एक और महत्वाकांक्षी पहल कर रहा है। इसे 'हिंद-प्रशांत आर्थिक ढांचा' नाम दिया गया है। इसमें अमेरिका, भारत, आस्ट्रेलिया, ब्रुनेई, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इस फ्रेमवर्क के उद्घाटन पर उपस्थित होना दर्शाता है कि भारत इसके सामरिक लाभ को समझता है। आपूर्ति श्रृंखला को लचीला बनाना, 5जी तकनीक का सुरक्षित एवं भरोसेमंद विकास, उच्च गुणवत्ता वाला बुनियादी ढांचा और स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन आदि इस गठजोड़ के प्रमुख उद्देश्य बताए जा रहे हैं। सुलिवन ने डंके की चोट पर कहा कि इसकी धमक बीजिंग तक सुनाई पड़ेगी। इसमें चीन की बेल्ट एंड रोड परियोजना को टक्कर देने की पूरी संभावना है। यह क्वाड प्लस के रूप में उसका औपचारिक विस्तार तो नहीं, किंतु अनौपचारिक तरीके से आकार लेने वाले इस ढांचे में चीन की काट करने की क्षमता जरूर है। क्वाड के चार मूल सदस्य ही हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बहुआयामी क्षमता रखते हैं। ऐसे में उन्हें स्वाभाविक रूप से इस इकोनमिक फ्रेमवर्क का साझा नेतृत्व करना होगा। ये चारों देश पहले ही इन्फ्रास्ट्रक्चर, वैक्सीन, आपूर्ति श्रृंखला, सामरिक साझेदारी और सेमीकंडक्टर आदि क्षेत्रों में समझौते कर चुके हैं और उनमें से कुछ पर काम भी शुरू हो चुका है। ऐसे में साझेदारी के इस दायरे को बढ़ाना और नए सहयोगियों को उसमें जोड?ा ही बुद्धिमत्ता होगी। अमूमन यही माना जाता है कि जिन अंतरराष्ट्रीय आर्थिक ढांचों में अधिक हितधारक होते हैं, वहां समन्वय, सहमति बनाकर अपेक्षित कार्य को शीघ्रता से संपादित करना संभव नहीं होता। इसलिए इस फ्रेमवर्क में विभिनन पक्षों को देखते हुए उसकी कार्यसंस्कृति को बेहतर बनाने के उपाय करने होंगे। बाइडन प्रशासन कहता आ रहा है कि उसका लक्ष्य यह सिद्ध करना है कि 'लोकतांत्रिक देश वादों और अपेक्षाओं पर खरे उतर सकते हैं और तानाशाही वाले देशों से बेहतर प्रदर्शन दिखा सकते हैं।'

## कल्याणकारी योजनाओं से दिव्यांगजनों को सशक्त बना रही है प्रदेश सरकार

प्रतापगढ़।प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों के हितार्थ अनेक कल्याणकारी योजनाओं को संचालित कर उन्हें सशक्त बना रही है। ये सभी योजनाएं दिव्यांगजनों को पुनर्वासित कर समाज की मुख्य धारा में शामिल करने के अपने वृहतर उद्देश्य की पूर्ति करती है।दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचालित विभिनन योजनाएं दिव्यांगजनों के आर्थिक, शैक्षणिक पुनर्वासन के साथ आवश्यक शारीरिक एवं मानसिक पुनर्वासन को भी सुनिश्चित किया जा रहा है।प्रदेश सरकार दिव्यांग व्यक्तियों हेतु भरण पोषण अनुदान (दिव्यांग पेंशन) योजना के अन्तर्गत ऐसे दिव्यांगजन जिनके जीवनयापन के लिए स्वयं का न तो कोई साधन है और न ही वे किसी प्रकार का परिश्रम कर सकते हैं उनके भरण-पोषण हेतु प्रदेश सरकार द्वारा दिव्यांग भरण-पोषण अनुदान योजना अंतर्गत पूर्व में रू0 500 प्रति माह लाभार्थी की दर से अनुदान दिया जाता था, उसको प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दिनांक 01 दिसम्बर, 2021 से बढ़ाकर रू0 1,000 प्रति माह प्रति लाभार्थी की दर से देने का आदेश जारी किया है। अद्यतन वित्तीय वर्ष 2021-22 में दिव्यांगजन पेंशन योजना के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि रू0 89402.00 लाख के सापेक्ष रू0 89401.98 लाख का व्यय करते हुए चतुर्थ किश्त में अद्यतन कुल 11,17,314 दिव्यांगजन को लाभान्वित किया गया है। कुष्ठावस्था पेंशन योजना के अंतर्गत कुष्ठ रोग के कारण दिव्यांग हुए दिव्यांगजन को पूर्व में रू0 2500 प्रति माह प्रति लाभार्थी की दर से अनुदान दिया जाता था, जिसको मुख्यमंत्री जी ने दिनांक 01 दिसम्बर, 2021 से बढ़ाकर रू0 3,000 प्रति माह प्रति लाभार्थी की दर से कर दिया है। उसी दर से लाभान्वित किया जा रहा है। अद्यतन वित्तीय वर्ष 2021-22 में कुष्टावस्था पेंशन योजना के अन्तर्गत प्राविधानित धनराशि रू0 3900.00 लाख के सापेक्ष कुल 11,430 कुष्ठ रोग के कारण दिव्यांग हुए दिव्यांगजन को लाभान्वित किया गया है। प्रदेश में शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण क्रय हेतु अनुदान योजना संचालित करते हुए प्रदेश में 40 प्रतिशत या उससे अधिक की दिव्यांगता वाले दिव्यांगजन जिनकी आय गरीबी की रेखा के अन्दर हो, को अधिकतम रू0 10,000 के कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण सरकार द्वारा प्रदान किया जाता है। इस योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में प्राविधानित धनराशि रू0 3740.00 लाख के सापेक्ष कुल 19,964 दिव्यांगजन को लाभान्वित किया गया है। दिव्यांगजनों के लिए संचालित शल्य चिकित्सा अनुदान योजना के अंतर्गत शल्य चिकित्सा नियमावली के अन्तर्गत विभाग द्वारा 21 प्रकार की शल्य क्रियाओं के लिए प्रति लाभार्थी प्रति वर्ष रुपये 8000 की दर से अनुदान देय था।

# योगी सरकार का 6वां बजट सदन में पेश

6 लाख 15 हजार 518 करोड़ 97 लाख रुपए का बज योगी सरकार ने लगातार 6वां बजट पेश किया यूपी का बजट 6.15 लाख करोड़ से अधिक यूपी के इतिहास का सबसे बड़ा बजट ण्श् लघु सिंचाई योजना के लिए 1 हजार करो 3 महिला पीएसी बटालियन गठित होगी। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के तहत टॉपर छात्राओं को लैपटॉप। मिशन शक्ति को 20 करोड़ का बज 5 साल में 2 करोड़ फोन और टैबलेट बांटेगी सरकार। युवा अधिवक्ताओं के लिए 10 करोड़ रुपए। 3 साल तक किताब और पत्रिका खरीद सकेंगे। बनारस में क्रिकेट स्टेडियम के लिए 95 करोड़। मेरठ में ध्यानचंद यूनिवर्सिटी के लिए 50 करोड़। 5 साल में 4 लाख नौकरियां देने का लक्ष्य। माध्यमिक शिक्षा में 7540 पदों पर भर्ती की जाएगी। मेडिकल कॉलेजों में 10 हजार पद भरे जाएंगे। वृद्धावस्था पेंशन 500 से बढ़ाकर 1000 की गई। दिव्यांग अनुदान 300 से बढ़ाकर एक हजार किया गया। एक हजार रुपए प्रति माह दिव्यांग अनुदान दिया जाएगा। अटल आवासीय विद्यालय के लिए 300 करोड़ का बजट। के तहत 10 हजार 547 करोड़ का बजट। आशा कार्यकत्रियों के लिए 300 करोड़ का बजट। अटल बिहारी विवि लखनऊ के लिए 100 करोड़। 14 मेडिकल कॉलेजों को 2100 करोड़ का बजट। प्रधानमंत्री गति शक्ति योजना के लिए 897 करोड़। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे,डिफेंस कॉरिडोर के किनारे विकास कार्य होंगे। ग्रीन फील्ड और इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए 500 करोड़। मेरठ-प्रयागराज गंगा एक्सप्रेस-वे के लिए 695 करोड़। की सड़कों के लिए 18500 करोड़ का बजट।काशी विश्वनाथ राजघाट पुल के लिए 500 करोड़। बाढ़ नियंत्रण के लिए 2700 करोड़ का बजट।नमामि गंगे में जल जीवन मिशन को 19500 करोड़। प्राइवेट ट्यूबवेल के बिजली बिल में 50झ् छूट मिलती रहेगी। बिजली में रीवैम्प के लिए 31 हजार करोड़ का बजट।बुंदेलखंड में ग्रीन एनर्जी कॉरिडोर बनाया जाएगा। कल्याण सिंह के नाम पर ग्राम उननति योजना लाई गई। योजना में गांव में सोलर लाइट लगाएगी सरकार। अयोध्या में सूर्यकुंड विकास को 140 करोड़। कानपुर मेट्रो रेल को 747 करोड़ का बजट। आगरा मेट्रो रेल को 597 करोड़ का बजट। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर को 1306 करोड़। बनारस और गोरखपुर में भी मेट्रो रेल शुरू होगी। बनारस और गोरखपुर मेट्रो के लिए 100 करोड़। स्वच्छ भारत मिशन शहरी के लिए 1353 करोड़। कुंभ मेला प्रयागराज के लिए 100 करोड़। बुंदेलखंड की विशेष योजना के लिए 500 करोड़। वनटांगिया और मुसहर आवास के लिए 508 करोड़। पीएम ग्राम सड़क योजना

के लिए 7373 करोड़ का बजट। कृषि क्षेत्र में 5.1 प्रतिशत विकास दर पाने का लक्ष्य। गनन भुगतान के लिए 1 हजार करोड़ का बजट। कान्हा गौशाला और बेसहारा पशु के लिए 100 करोड़। चीनी मिल स्थापना के लिए 380 करोड़ का बजट। बांदा कृषि विवि के लिए 8 करोड़ 58 लाख। प्रदेश में 1.86 लाख लीटर दूध रोज पैदा हो हा है। दुग्ध उत्पादकों के लिए नंद बाबा पुरस्कार शुरू होगा। मथुरा में 3 हजार लीटर का नया डेयरी प्लांट लगेगा। किसानों को कोऑपरेटिव ऋण के लिए 300 करोड़। अयोध्या में सिपेट केंद्र बनाने के लिए 35 करोड़। स्कूल चलो अभियान में 2 करोड़ छात्रों के नामांकन का लक्ष्य। समग्र शिक्षा अभियान के लिए 18670 करोड़। निशुल्क यूनिफॉर्म के लिए 370 करोड़ का बजट। वाराणसी में संत रविदास और संत कबीर संग्रहालय बनेगा। दोनों संग्रहालयों को 25-25 करोड़ का बजट मिला। राम जन्मभूमि मंदिर सड़क निर्माण के लिए 300 करोड़अयोध्या में जनसुविधाओं और पार्किंग के लिए 209 करोड़। वाराणसी में गंगा तट से काशी विश्वनाथ तक सड़क के लिए 77 करोड़। बनारस में पर्यटन सुविधा के लिए 100 करोड़। अयोध्या में पर्यटन सुविधा के लिए 100 करोड़।इस साल वृक्षारोपण अभियान में 35 करोड़ पेड़ लगाए जाएंगे। गोरखपुर चिड़ियाघर के लिए 50 करोड़ का बजट। अरबी-फारसी मदरसों को 479 करोड़ का बजट। अल्पसंख्यक समुदाय छात्रवृत्ति योजना में 795 करोड़। प्रयागराज लॉ यूनिवर्सिटी के लिए 100 करोड़ का बजट। इलाहाबाद हाईकोर्ट के लिए 705 करोड़ का बजट। जजों के कोर्ट और आवास के लिए 600 करोड़। कचहरी में सीसीटीवी कैमरा लगाने के लिए 50 करोड़। अधिवक्ता कल्याण निधि के लिए 90 करोड़ का बजट। अधिवक्ता चैंबर निर्माण के लिए 20 करोड़ का बजट। राज्य आपदा के लिए 2165 करोड़ रुपए की व्यवस्था

# आत्मनिर्भरता का मंत्र और जनाकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम बनीं कल्याणकारी योजनाएं

अपने आदर्श और सही अर्थों में जनतंत्र जनता का शासन है। ऐसे में एक जनतांत्रिक राज्य से यह अपेक्षा की जाती है कि वह जनता की आकांक्षाओं एवं जरूरतों को समझकर लोक कल्याणकारी नीतियां एवं योजनाएं बनाए। जब कोई भी जनतांत्रिक राज्य ऐसा करता है तो जनता जनतंत्र में एक प्रबल हिस्सेदार के रूप में उभरकर सामने आती है। इसीलिए मोदी सरकार लगातार जहां नई लोक कल्याणकारी योजनाएं बना रही है, वहीं पहले से चली आ रही योजनाओं का विस्तार कर रही है। इसके साथ ही प्राप्त हो रहे अनुभवों एवं मिल रहे सुझावों के आधार पर पहले से चल रही योजनाओं में नए तत्व भी जोड़ रही है। यही वजह है कि मोदी सरकार की अनेक योजनाएं जैसे-पीएम किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत एवं उज्ज्वला जैसी लोकप्रिय योजनाएं समय के साथ और सबल ही हुई हैं। इसमें दो मत नहीं कि जनतांत्रिक राज्य लोक कल्याणकारी योजनाओं से लाभाथिर्यों का एक समूह विकसित करता है, जो उनका लाभ उठाते हुए सक्षम होकर समाज में आगे बढ़ता है। जो भी राजनीतिक दल शासन में रहकर इन योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करता है, उसके प्रति जनता की राजनीतिक रूप से गोलबंदी भी होती है। साफ है कि जनतांत्रिक राज्य में लोकप्रिय लोक कल्याणकारी योजनाओं की बड़ी भूमिका होती है। आज इस संदर्भ में चल रहे विमर्श में दो पक्ष बन गए हैं। एक पक्ष का मानना है कि ऐसी योजनाएं राजकोष को कमजोर करती हैं और जनता को राज्य पर अत्यधिक निर्भर बनाती हैं। दूसरे पक्ष का मानना है कि लोक कल्याणकारी योजनाएं जनतंत्र का नैतिक पक्ष हैं और इनके बिना जनतंत्र अर्थवान नहीं हो पाता। ऐसी योजनाएं सर्वसमाज के लिए तो होती ही हैं, साथ ही 'हाशिये के समाज' को विकास से जोड? का काम भी करती हैं। उत्तर प्रदेश के चुनाव में जब 'लाभार्थी' समूहों को लेकर एक प्रभावशाली विमर्श शुरू हुआ, तब यह माना गया था कि केंद्र एवं उत्तर प्रदेश की लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ एक बड़े समूह तक पहुंचा है, जिसने जाति एवं समुदाय के बंधनों को तोड़ते हुए भाजपा के पक्ष में जनता को आकर्षित किया। उसी दौरान यह आशंका भी जताई गई थी कि चुनाव के बाद ऐसी योजनाएं बंद कर दी जाएंगी, लेकिन जो लोग लाभार्थी चेतना के उभार एवं उसका जनतांत्रिक राजनीति से संबंध समझ रहे थे, उन्हें यही लगता था कि भाजपा विकास एवं लोक कल्याणकारी योजनाओं की राह पर आगे ही बढ़ेगी। हुआ भी कुछ ऐसा ही। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बड़ी सफलता हासिल करने के बाद केंद्र एवं राज्य की दोनों सरकारों ने मुफ्त राशन वितरण योजना की अवधि का विस्तार किया। इसके साथ ही

उज्ज्वला योजना के तहत मिल रहे रसोई गैस सिलेंडर पर 200 रुपये की नई सब्सिडी देने का प्रविधान भी जोड़ा। इसका लाभ देश भर में उज्ज्वला योजना के सभी लाभाथिर्यों को मिलेगा। अभी हाल में योगी सरकार ने लोक कल्याण की योजनाओं के प्रसार की दिशा में आगे बढ़ते हुए 'परिवार कार्ड' बनाने की घोषणा की है। इसके माध्यम से राज्य सरकार उत्तर प्रदेश में बसने वाले प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की दिशा में कार्य करेगी। यह कार्ड एक प्रकार से उत्तर प्रदेश के निवासियों एवं रोजगार का डाटा बैंक भी सृजित करने में सहायक होगा। इसी तरह उत्तर प्रदेश सरकार वृद्धजन पेंशन स्कीम, किसान कल्याण मिशन, मुख्यमंत्री मुफ्त लैपटाप स्कीम, अनन्पूर्णा भोजनालय स्कीम, श्रमिकों के बच्चों के लिए स्कीम, मुख्यमंत्री स्वरोजगार आदि योजनाओं को भी लागू कर रही है। इन योजनाओं के तहत लाभाथिर्यों के खाते में सीधे धन भेजने से गरीबी एवं बेरोजगारी की मार को तो कम करने में मदद मिलेगी ही, साथ ही निर्बल वर्गों की आत्मशक्ति भी बढ़ेगी। अभी हाल में योगी सरकार ने लोक कल्याण की योजनाओं के प्रसार की दिशा में आगे बढ़ते हुए 'परिवार कार्ड' बनाने की घोषणा की है। इसके माध्यम से राज्य सरकार उत्तर प्रदेश में बसने वाले प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की दिशा में कार्य करेगी। यह कार्ड एक प्रकार से उत्तर प्रदेश के निवासियों एवं रोजगार का डाटा बैंक भी सृजित करने में सहायक होगा। इसी तरह उत्तर प्रदेश सरकार वृद्धजन पेंशन स्कीम, किसान कल्याण मिशन, मुख्यमंत्री मुफ्त लैपटाप स्कीम, अनन्पूर्णा भोजनालय स्कीम, श्रमिकों के बच्चों के लिए स्कीम, मुख्यमंत्री स्वरोजगार आदि योजनाओं को भी लागू कर रही है। इन योजनाओं के तहत लाभाथिर्यों के खाते में सीधे धन भेजने से गरीबी एवं बेरोजगारी की मार को तो कम करने में मदद मिलेगी ही, साथ ही निर्बल वर्गों की आत्मशक्ति भी बढ़ेगी। जाति, पंथ एवं क्षेत्र आधारित अस्मिताएं प्रत्येक समाज में सक्रिय रहती हैं। लोक कल्याणकारी योजनाएं इनके प्रभाव को कुछ न कुछ कम करती हैं। लोक कल्याण केंद्रित राज्य के रूप में भारत में जनतांत्रिक विकास की एक महत्वपूर्ण संकल्पना हमारे समक्ष मौजूद है। जरूरत इसकी है कि इससे कमजोरों एवं गरीबों में जो क्षमता विकसित हो रही है, उसे और अधिक गतिमान बनाते हुए सामाजिक समूहों को आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया जाए। आत्मनिर्भरता का मंत्र और लोक कल्याणकारी योजनाएं एक-दूसरे के विरुद्ध न होकर सहकारी हैं। ये योजनाएं निर्बल समूहों में विकास की आकांक्षा जगाती हैं, जो आत्मनिर्भरता का मूल तत्व है।

# सत्य को साक्ष्य की आवश्यकता नहीं होती इसका साक्षात प्रमाण है ज्ञानवापी परिसर

पवित्र काशी के ज्ञानवापी परिसर का न्यायिक वीडियो सर्वेक्षण सार्वजनिक विमर्श में है। 16 मई को इसके परिसर में अधिवक्ता आयुक्त की कार्यवाही के दौरान प्राचीन शिवलिंग मिलने के दावे के बाद संबंधित क्षेत्र पर अदालती प्रतिबंध है। मामला अभी न्यायालय में विचाराधीन है। जबसे इसे लेकर सुनवाई प्रारंभ हुई है, तबसे 1991 का पूजास्थल (विशेष प्रविधान) अधिनियम भी चर्चा में है। इसे तत्कालीन नरसिंह राव सरकार द्वारा संसद से पारित कराया गया था। इसका उल्लेख वामपंथी-सेक्युलर वर्ग यह कहते हुए कर रहा है कि यह संसद से पारित कानून है। इसे चुनौती देना लोकतंत्र-संविधान का अपमान है। यदि ऐसा है तो फिर 2019 में संसद से पारित नागरिकता संशोधन अधिनियम के खिलाफ इसी जमात ने देश के कई क्षेत्रों को हिंसा की आग में क्यों झोंका? ज्ञानवापी मामले में हिंदू पक्ष पूजास्थल अधिनियम की वैधानिकता पर प्रशन उठा रहा और उसे निरस्त करने की मांग कर रहा है। इसे सेक्युलर-लिबरल कुनबा सांप्रदायिक बता रहा है। गौर करें कि यही कुनबा संसद से पारित तीनों कृषि सुधार कानूनों पर क्या कह रहा था? क्या यह सत्य नहीं कि प्रधानमंत्री मोदी से राजनीतिक-वैचारिक विरोध के कारण हजारों की भीड़ ने इन प्रगतिशील कानूनों को काले कानून बताकर दिल्ली के सीमांत रास्तों को एक वर्ष तक अवरुद्ध किया? यह स्थिति तब थी, जब 85.7 प्रतिशत किसान संगठनों ने इन कानूनों का समर्थन किया था। बात केवल यहीं तक सीमित नहीं रही। देश ने गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रीय अस्मिता के प्रतीक लालकिले पर नंगी तलवारों और धारदार हथियारों के साथ भीषण उन्माद देखा। इन उन्मादियों ने ट्रैक्टरों पर सवार होकर पुलिसकमिर्यों को रौंदने का प्रयास किया। कुछ प्रदर्शनकारियों की तख्तियों, परिधानों और वाहनों पर खालिस्तानी जरनैल सिंह भिंडरांवाले की तस्वीरें दिखीं। इसके अलावा दलित लखबीर की सिख पंथ की कथित बेअदबी के आरोप में निर्मम हत्या देखी। आंदोलनस्थल पर एक महिला से दुष्कर्म की खबर भी सुनी। ऐसे माहौल में जब प्रधानमंत्री ने देखा कि देशविरोधी शक्तियों की लामबंदी हो रही, उन्हें विदेश से वित्तपोषण हो रहा है और वह राष्ट्रीय एकता-अखंडता के लिए

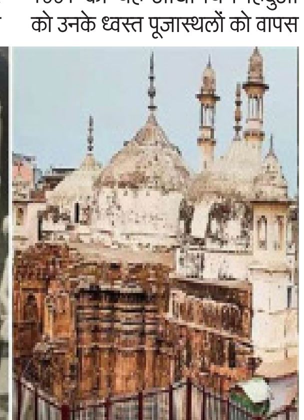

खतरा बन रहा है तो वह कृषि सुधार कानूनों को वापस लेने हेतु बाध्य हो गए। जब समाज के एक वर्ग की अनैतिक आपत्ति पर सरकार ने उपयोगी कृषि कानूनों को निरस्त कर दिया तो ज्ञानवापी सर्वेक्षण को लेकर हिंदू पक्ष द्वारा 1991 के पूजास्थल अधिनियम की नीयत पर सवाल खड़े करना या उसे निरस्त करने की मांग करना अपराध कैसे हुआ? यह अकाट्य सत्य है कि 1991 का यह अधिनियम हिंदुओं को उनके ध्वस्त पूजास्थलों को वापस पाने के अधिकार और वहां पूजा-अर्चना से वंचित करने का दूषित प्रयास था, जो वामपंथियों और स्वघोषित सेक्युलरिस्टों द्वारा मुस्लिम तुष्टीकरण और सनातन संस्कृति विरोधी मानसिकता से प्रेरित था। पुरातन ज्ञानवापी परिसर, 'सत्य को साक्ष्य की आवश्यकता नहीं होती' की उक्ति का सबसे जीवंत उदाहरण है। मंदिर संरचना में नंदी का मुख बीते साढ़े तीन शताब्दियों से विपरीत दिशा की ओर होना इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है, क्योंकि हिंदू मान्यता/आस्था के अनुसार किसी भी शिवालय में शिवलिंग/शिवमूर्ति की ओर देखते हुए ही नंदी की प्रतिमा होती है। काशी का प्राचीन मंदिर 1194 से 1669 के बीच कई बार इस्लामी आक्रमण का शिकार हुआ, लेकिन वह हर बार हिंदू प्रतिकार का साक्षी भी बना। औरंगजेब ने जिहादी फरमान जारी कर प्राचीन काशी विश्वनाथ मंदिर को ध्वस्त करके उसके अवशेषों से मस्जिद बनाने का आदेश दिया। इसका मकसद केवल पराजितों को अपमानित करना था। इसी सोच के साथ औरंगजेब ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि मथुरा स्थित मंदिर को भी ध्वस्त किया। जब ज्ञानवापी परिसर में अदालत निर्देशित सर्वेक्षण पर कथित वजूखाने में प्राचीन शिवलिंग के प्रमाण मिले, तो एक वर्ग की ओर से हिंदू संस्कृति पर कुठाराघात करते हुए घृणित टिप्पणियां की गईं। इनमें से कोई भी उस प्रकार की नृशंसता का शिकार नहीं हुआ, जैसे ईशनिंदा के नाम पर फ्रांसीसी शिक्षक सैमुअल पैटी और कमलेश तिवारी हुए थे। इस्लामी आक्रमणकारियों द्वारा मंदिरों/मूतिर्यों को तोड? की मानसिकता का सटीक उल्लेख 'तारीख-ए-सुल्तान महमूद-ए-गजनवी' पुस्तक में मिलता है। इसके अनुसार जब गजनवी को एक पराजित हिंदू राजा ने मंदिर ध्वस्त न करने के बदले अकूत धन देने की पेशकश की, तब उसने कहा था, 'हमारे मजहब में जो कोई मूर्तिपूजकों के पूजास्थल को नष्ट करेगा, वह कयामत के दिन बहुत बड़ा इनाम पाएगा और मेरा इरादा हिंदुस्तान के हर नगर से मूतिर्यों को पूरी तरह से हटाना है।' इस तरह का उल्लेख इस्लामी आक्रांताओं के समकालीन इतिहासकारों या उनके दरबारियों द्वारा लिखे विवरण में सहज मिल जाता है। औरंगजेब के खूनी इतिहास पर लिखी गई 'मआसिर-ए-आलमगीरी' भी इसका एक प्रमाण है।

## संक्षिप्त समाचार

**मंडी हवाई अड्डे के सामाजिक प्रभाव का होगा मूल्यांकन, प्रशासन ने सरकार को पत्र भेजकर जल्द मूल्यांकन प्रक्रिया शुरू करने का किया आग्रह**

**मंडी।** मंडी जिले के बल्ह हलके में प्रस्तावित ग्रीन फील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को धरातल पर उतारने की कवायद शुरू हो गई है। प्रशासन ने हवाई अड्डे सामाजिक प्रभाव यानी क्षेत्र के लोगों पर होने वाले असर का मूल्यांकन करवाने का निर्णय लिया है। सरकार को पत्र लिखकर जल्द मूल्यांकन प्रक्रिया शुरू करने की सिफारिश की गई है। पर्यटन विभाग सामाजिक प्रभाव का मूल्यांकन करवाएगा। कोविड की वजह से दो साल से मूल्यांकन का काम अटका था। हवाई अड्डे के निर्माण के लिए पर्यटन विभाग ने गत सप्ताह निर्माण कार्य करने वाली कंपनी के साथ दिल्ली में करार किया था। इसके बाद हरकत में आए बल्ह उपमंडल प्रशासन ने सरकार के निर्देश पर हवाई अड्डे की जद में आने वाली भूमि की बाहरी सीमा चिह्नित कर उससे विभिन्न विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों को अवगत करवाया था। सभी विभागों को अपनी-अपनी भूमि व अन्य संपत्ति की जानकारी लिखित में एक सप्ताह के अंदर देने के निर्देश दिए हैं। सामाजिक प्रभाव की मूल्यांकन रिपोर्ट के आधार पर भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू होगी। कुछ संस्थानों के विरोध के चलते भूमि अधिग्रहण से संबंधित जनसुनवाई होने की संभावना न के बराबर लग रही है। सरकार ने अनिवार्य भूमि अधिग्रहण अधिनियम के अंतर्गत निजी भूमि अधिग्रहीत करने का मन बनाया है। हालांकि इस पर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। ग्रीन फील्ड हवाई अड्डे के लिए

# नोएडा प्राधिकरण की खुली पोल, श्रमिक कुन्ज के मकानों की स्थिति दयनीय

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**देव मणि शुक्ल**

**नोएडा।** सेक्टर 93 के श्रमिक कुन्ज द्वितीय मे आज सुबह छज्जा गिरने से लोगों मे हडकम्प मच गया। हमारे नोएडा ब्यूरो प्रभारी देव मणि शुक्ल ने मौके पर पहुंच कर स्थिति को देखा और लोगों से बातचीत भी किया। आर डब्लूयू ए अध्यक्ष राहुल दुबे ने हमारे ब्यूरो प्रभारी देव मणि शुक्ल से बातचीत करते हुए बताया कि यह सोसायटी नोएडा प्राधिकरण ने 2002 मे 75000 रूपये में आवंटित किया था ।आज 20 बर्ष हुए इसे आवंटित किए हुए लेकिन यहाँ की स्थिति बद से बदतर हो गयी है। जबकि 99 बर्ष का नोएडा प्राधिकरण ने जिम्मेदारी ली हुयी थी। अध्यक्ष ने आगे बताया कि इन सोसायटियो मे नोएडा प्राधिकरण बिलकुल ध्यान नहीं देती है आए दिन कही न कही मकानों में नुकसान होता रहता है। इसी कडी मे आज यहा के अजय कुमार चौरसिया 274 सी एवं मनीष 273 सी के गेट पर बना 3 फिट का छज्जा पूरी तरह से ढह गया। लेकिन भगवान की कृपा से कोई अनहोनी घटना नही हुई।इसके अलावा भी बहुत सारे मकानों की स्थिति ऐसी ही बनी हुई है। जिसकी तरफ नोएडा प्राधिकरण के कान मे जू नहीं रेग रही है। अध्यक्ष ने नोएडा प्राधिकरण, स्थानीय विधायक एवं स्थानीय सांसद से पुरजोर तरीके से मांग की है कि इस सोसायटी मे जर्जर मकानों का अवलोकन करे एवं उसकी मरम्मत अविलंब कराने की कृपा करें।

# प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत लोगों को खाद्यान्न वस्तुओं का किया जाएगा नि:शुल्क वितरण

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**देव मणि शुक्ल**

**नोएडा।** जिला पूर्ति अधिकारी चमन शर्मा ने अंत्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों का आह्वान करते हुए जानकारी दी है कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत माह अप्रैल के सापेक्ष अवशेष लाभार्थियों को खाद्यान्न एवं आवश्यक वस्तुओं का निःशुल्क वितरण कराये जाने के लिए तिथि विस्तारित करते हुये दिनांक 27 मई तक खाद्यान्न एवं आवश्यक वस्तुओं का निशुल्क वितरण किया जाएगा। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत माह अप्रैल के सापेक्ष अवशेष लाभार्थियों को खाद्यान्न एवं आयोडाइज्ड नमक, साबुत चना एवं रिफाइंड ऑयल का निशुल्क वितरण किया जायेगा। उन्होंने बताया कि इस अवधि में ई-पॉस मशीन से आधार आधारित वितरण किया जाएगा। मोबाईल ओ0टी0पी0 वेरीफिकेशन के माध्यम से वितरण की तिथि पूर्व निर्धारित 24 मई के साथ-साथ 27 मई को भी उपलब्ध रहेगी। कार्ड धारकों को 27 मई तक पोर्टेबिलिटी के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त करने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इसके लिए विक्रेता अपने स्टॉक में अवशेष खाद्यान्न की उपलब्धता की सीमा तक पोर्टेबिलिटी के अंतर्गत खाद्यान्न वितरण कर सकेंगे ताकि कोई भी लाभार्थी निशुल्क खाद्यान्न एवं आवश्यक वस्तुओं को प्राप्त करने से वंचित न रह सके।

# पिछड़ा वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए ओ लेवल एवं सी0सी0सी0 कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**देव मणि शुक्ल**

**नोएडा।** पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी लवेश कुमार सिसोदिया ने पिछड़ा वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों का आह्वान करते हुए जानकारी दी है कि जनपद में शासन द्वारा पिछड़ा वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए ओ लेवल एवं सी0सी0सी0 कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना संचालित है। वर्ष 2022-23 में इस योजना के तहत भारत सरकार की अधिकृत संस्था नीलिट(राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान) से मान्यता प्राप्त संस्थाओं द्वारा अन्य पिछड़े वर्ग के युवक-युवतियों को ओ लेवल एवं सी0सी0सी0 कंप्यूटर प्रशिक्षण कराने के लिए ऑनलाईन किए जाने की तिथि 23 मई से 28 मई 2022 तक निर्धारित है। पिछड़ा वर्ग के कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश की वेबसाईट से आनलाइन आवेदन किया जा सकता है। आवेदन किए जाने संबंधित दिशा-निर्देश समय-सारणी उक्त वेबसाइट पर प्रदर्शित कर दी गई है।

# बाइक वोट पीडितो की आस जगी, नौ महीने में सुनवाई पूरी करने के निर्देश

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**देव मणि शुक्ल**

**नोएडा।** हाईकोर्ट ने बाइक बोट प्रकरण के 63 पीडितों की अर्जी पर नौ महीने में सुनवाई पूरी करने के निर्देश दिए हैं। इससे आठ लाख से अधिक पीडितों में न्याय की उम्मीद जगी है। उनका मानना है कि इस निर्देश से न सिर्फ दो बल्कि अन्य मुकदमों की सुनवाई में तेजी आएगी। उनसे ठगे गए पैसों की वापसी हो सकेगी। बाइक बोट कंपनी में निवेश के नाम पर पूरे देश में आठ लाख से अधिक पीडि़तों से 15 हजार करोड़ से अधिक की ठगी हुई है। इन पीडितों द्वारा पिछले लंबे समय से प्रयास किए जा रहे हैं कि उनके साथ हुई ठगी का पैसा उन्हें वापस मिल जाए और आरोपियों को कड़ी सजा मिले। इस मामले को लेकर मुजफ्फरनगर के गांव सिसौली निवासी मुनन बालियान और उनके साथी पिछले तीन साल से लगातार कंपनी के कार्यालय पर धरना दे रहे हैं। उनका यह धरना एक जून 2019 को शुरू हुआ था और अब भी जारी है। मुनन बालियान का कहना है कि जब तक वह पीडि़तों को न्याय नहीं मिलता, तब तक उनका धरना जारी रहेगा। हाईकोर्ट द्वारा इस मामले में चल रहे दो मुकदमों में आदेश किया गया है कि मामले की सुनवाई जल्द पूरी हो। उनका मानना है कि इसका असर अन्य मामलों पर भी पड़ेगा और उनमें भी चल रही सुनवाई में तेजी आयेगी। बाइक बोट कंपनी में ही ठगे गए मेरठ निवासी गौरव, राकेश, सुरेंद्र, बुलंदशहर निवासी नरेंद्र, गोपाल और सुरेंद्र आदि का कहना है कि बाइक बोट मामले में अभी तक पुलिस की जांच पूरी नहीं हो सकी है। न ही इस मामले में सभी आरोपी पकड़े गए हैं। इस कंपनी द्वारा ठगे गए पीडित दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। इस कंपनी में सबसे अधिक सेवानिवृत्त फौजी और पुलिसकर्मी ही ठगे गए हैं। सात लोगों ने पैसा वापस के लिए न्यायालय में अर्जी लगाई बाइक बोट कंपनी के संचालनकर्ताओं के खिलाफ विभिनन्‍एजेंसियां जांच कर रही हैं। नोएडा कमिशन्री पुलिस और प्रवर्तन निदेशालय द्वारा अभी तक बाइक बोट कंपनी के निदेशकों की करीब 206 करोड़ की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। ठगे गए पाडितों की मांग है कि आरोपियों की, जो संपत्ति जब्त की गई है, उसे नीलाम कर पीडितों के पैसे लौटाए जाएं। इसके लिए सात लोगों ने सूरजपुर कोर्ट में अर्जी भी लगा दी है। अब अन्य पीडित भी इसके लिए न्यायालय में अर्जी लगाने की तैयारी में हैं। पांच-पांच लाख के तीन आरोपी पकड़ से दू इस मामले में दीप्ती बहल, बिजेंद्र हुड्डा और भूदेव फरार हैं। अधिकारियों के अनुसार तीनों पर पांच-पांच लाख का इनाम शासन से घोषित हो चुका है और उनके खिलाफ लुक आउट नोटिस भी जारी कराए जा चुके हैं। बिजेंद्र हुड्डा के खिलाफ रेड कार्नर नोटिस भी जारी है। जांच अधिकारियों का मानना है कि इस घोटाले में लाखों लोगों से ठगा गया अधिकांश पैसा बिजेंद्र हुड्डा के पास ही है। वह अधिकांश रकम विदेश में शिफ्ट कर चुका है। ईओडब्लूयू ने 26 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दा बाइक बोट से जुड़े 116 मुकदमों की जांच कर रही ईओडब्लूयू की मेरठ इकाई ने 55 मामलों में 26 आरोपियों के खिलाफ गौतमबुद्ध नगर जिले की सूरजपुर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। 61 मुकदमों में अभी जांच जारी है और शीघ्र ही इन मामलों में भी चार्जशीट दाखिल की जाएगी। इस मामले से जुड़े 11 मुकदमों की जांच वर्तमान में सीबीआई द्वारा भी की जा रही है। सीबीआई की जांच अलग चल रही है जिसका मुकदमा सीबीआई ने गाजियाबाद में दर्ज कराया था। बाइक बोट केस के अहम पड़ाव 12 जनवरी 2019 को पहला मुकदमा दर्ज जून 2019 में बाइक बोट कंपनी का मालिक संजय भाटी गिरफ्तार 26 आरोपी अभी तक गिरफ्तार, 15 पर गैंगस्टर की कार्रवाई 216 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी हो चुकी है जब्त 116 मुकदमों की जांच ईओडब्लू मेरठ कर रही है ठगी के पैसे से खरीदी थीं 170 कारे पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार बाइक बोट कंपनी के संचालक संजय भाटी ने ठगी की रकम से 170 से अधिक लग्जरी कारें कंपनी के नाम पर खरीदी थीं जिसमें मर्सिडीज, ऑडी आदि गाडियां थी। खैर आगे आगे देखिये होता है क्या।

# दिव्यांग शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना का दिव्याग उठाए लाभ

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**देव मणि शुक्ल**

**नोएडा।** जिलाधिकारी सुहास एल0वाई0 के निर्देशों के क्रम में जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी लवेश कुमार सिसौदिया ने जनपद के समस्त दिव्यांग दंपतियों का आह्वान करते हुए उन्हें जानकारी दी है कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांग शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत ऐसे दिव्यांगजन जिनका विवाह 01 अप्रैल 2021 के बाद हुआ हो वे दिव्यांग दंपति उक्त योजना का लाभ उठाने के लिए पोर्टल पर अभिलेखों को स्वप्रमाणित कर अपना ऑनलाइन आवेदन अपलोड करके या हार्ड कॉपी समस्त दस्तावेजों सहित कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी कमरा नंबर 107 विकास भवन सूरजपुर गौतम बुद्ध नगर में जमा करा सकते हैं। उन्होंने उक्त योजना के संबंध में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि यह योजना पूर्णता ऑनलाइन है तथा ऐसे दिव्यांग दंपत्ति द्वारा आवेदन किया जाएगा, जिनका विवाह 1 अप्रैल 2021 के बाद हुआ हो, उक्त योजना के तहत दंपत्ति में युवक के दिव्यांग होने की दशा में 15000 रूपये व युवती के दिव्यांग होने की दशा में 20000 रूपये तथा पति व पत्नी दोनों के दिव्यांग होने की दशा में 35000 की एकमुश्त धनराशि पति पतनी दोनों के संयुक्त खाते में भेजी जाएगी। उन्होंने पात्रता के सम्बन्ध में जानकारी देते हुये बताया कि दिव्यांगता प्रदर्शित करता हुआ नवीनतम संयुक्त फोटो, विवाह पंजीकरण प्रमाण पत्र, दंपत्ति में से कोई भी आयकर दाता न हो, युवक व युवती का आयु प्रमाण पत्र जिसमें जन्मतिथि तिथि का अंकन हो, मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रदत प्रमाण पत्र के अनुसार दिव्यांगता 40 प्रतिशत या उससे अधिक होनी चाहिए, राष्ट्रीयकृत बैंक में संचालित संयुक्त बैंक खाता पासबुक, निवास का प्रमाण पत्र, युवक व युवती के आधार कार्ड व वोटर आई डी कार्ड की छाया प्रति, शादी के समय युवक की आयु 21 वर्ष से कम तथा 45 वर्ष से अधिक न हो तथा युवती की आयु 18 वर्ष से कम तथा 45 वर्ष से अधिक न हो।शादी-विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के सम्बन्ध में अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी कमरा नंबर 107 विकास भवन सूरजपुर गौतम बुद्ध नगर में उपस्थित होकर प्राप्त कर सकतें है।

# प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनामी वाला राज्य बनाने में मील का पत्थर साबित होगा यह बजट: नन्दी

**(आधुनिक समाचार सेवा)**

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री व प्रयागराज शहर दक्षिणी विधायक नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने आज उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना द्वारा विधानस सभा में प्रस्तुत किए गए बजट को भारत के नए उत्तर प्रदेश का बजट बताया है। उन्होंने कहा कि जिस आशा और उम्मीद के साथ प्रदेश की 24 करोड़ जनता ने योगी सरकार को दोबारा उत्तर प्रदेश की सेवा का अवसर दिया है, यह उस उम्मीद को पूरा करने वाला बजट है मंत्री नन्दी ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त अपार संभावनाओं को आकार देकर प्रदेश को सर्वोत्तम प्रदेश बनाने के संकल्प की झलक इस बजट में दिखायी देती है औद्योगिक विकास मंत्री नन्दी ने कहा कि नये उद्योगों की स्थापना और उनके विस्तार से प्रदेश के विकास को एक नई गति और पहचान मिलेगी। उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर इकोनामी वाला राज्य बनान।

# 30 मई को जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा आई0आई0एम0टी0 ग्रुप आफ कॉलेज में होगा रोजगार मेले का आयोजन

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**देव मणि शुक्ल**

**नोएडा।** उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के अनुरूप सहायक जिला रोजगार सहायता अधिकारी गौतमबुद्धनगर संग प्रिय आनन्द ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद के बेरोजगार इच्छुक युवक-युवतियों को रोजगार दिलाने के उद्देश्य से जनपद में जिला सेवायोजन कार्यालय के माध्यम से दिनॉक 30 मई, 2022 को प्रातः 10 बजे से आई0आई0एम0टी0 ग्रुप आफ कॉलेज प्लाट नं0 20 नॉलेज पार्क-3 ग्रेटर नोएडा में रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। आयोजित होने वाले मेले में देश-विदेश की 40 कम्पनियों के प्रतिनिधियों के द्वारा भाग लिया जायेगा। आयोजित रोजगार मेले में लगभग 1800 विभिनन्‍प्रकार की रिक्तियों के अनुसार हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, आई0टी0आई0, डिप्लोमा, सनतक, परासनतक, बी0टेक0, एम0बी0ए0 की परीक्षा में उत्तीर्ण 18 से 35 वर्ष की आयु वाले युवक/युवतियों का चयन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि आयोजित होने वाले रोजगार मेले में प्रतिभाग करने के लिए ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य है एवं इच्छुक बेरोजगार अभ्यर्थी समस्त अभिलेखों के साथ रोजगार मेले में प्रतिभाग करें। अतः रोजगार मेले में सभी इच्छुक बेरोजगार अभ्यर्थी भाग लेने के लिये दिनांक 29 मई, 2022 को सांय 5:00 बजे तक सेवायोजन पोर्टल पर अपना आवेदन करके आयोजित होने वाले रोजगार मेले में भाग लें सकतें है। रोजगार मेले के सम्बन्ध में अधिक जानकारी के लिए जिला सेवायोजन कार्यालय गौतमबुद्धनगर से सम्पर्क कर सकते है।

# वीर अहीर आल्हा-ऊदल सैकड़ों साल से कर रहे हैं माँ शारदा की आरती

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**दिनेश यादव**

**मैहर।** पृथ्वीराज चौहान की पोस्ट में आल्हा और ऊदल की चर्चा आयी तो उनके बारे में कुछ बातें बताना भी उचित है, ये दोनों सगे भाई थे। ये बुन्देलखण्ड के महोबा के वीर योद्धा और परमार के सामंत थे।

कालिंजर के राजा परमार के दरबार में जगनिक नाम के एक कवि ने आल्हा खण्ड नामक एक काव्य रचा था उसमें इन वीरों की गाथा वर्णित है। इस ग्रंथ में दों वीरों की 52 लड़ाइयों का रोमांचकारी वर्णन है। आखरी लड़ाई उन्होंने पृथ?वीराज चौहान के साथ लड़ी थी। मां शारदा माई के भक्त आल्हा आज भी मां की पूजा और आरती करते हैं। जो इस पर विश्वास नहीं करता वे अपनी आंखों से जाकर देख सकता है। आल्हाखण्ड में गाया जाता है कि इन दोनों भाइयों का युद्ध दिल्ली के तत्कालीन शासक पृथ्वीराज चौहान से हुआ था। पृथ?वीराज चौहान को युद्ध में हारना पड़ा था लेकिन इसके पश्चात आल्हा के मन में वैराग्य आ गया और उन्होंने संन्यास ले लिया था। कहते हैं कि इस युद्ध में उनका भाई वीरगति को प्राप्त हो गया था। गुरु गोरखनाथ के आदेश से आल्हा ने पृथ्वीराज को जीवनदान दे दिया था। पृथ्वीराज चौहान के साथ उनकी यह आखिरी लड़ाई थी। मान्यता है कि मां के परम भक्त आल्हा को मां शारदा का आशीर्वाद प्राप्त था, इसलिए पृथ्वीराज चौहान की सेना को पीछे हटना पड़ा था। मां के आदेशानुसार आल्हा ने अपनी साग (हथियार) शारदा मंदिर पर चढ़ाकर नोक टेढ़ी कर दी थी जिसे आज तक कोई सीधा नहीं कर पाया है। मंदिर परिसर में ही अनेकों ऐतिहासिक महत्व के अवशेष अभी भी आल्हा व पृथ्वीराज चौहान के बीच युद्ध का प्रमाण देते हैं। सबसे पहले आल्हा करते हैं माता की आरती : मान्यता है कि मां ने आल्हा को उनकी भक्ति और वीरता से प्रसनन्‍होकर अमर होने का वरदान दिया था। लोगों की मानें तो आज भी रात 8 बजे मंदिर की आरती के बाद साफ-सफाई होती है और फिर मंदिर के सभी कपाट बंद कर दिए जाते हैं। इसके बावजूद जब सुबह मंदिर को पुनः खोला जाता है तो मंदिर में मां की आरती और पूजा किए जाने के सबूत मिलते हैं। आज भी यही मान्यता है कि माता शारदा के दर्शन हर दिन सबसे पहले आल्हा और ऊदल ही करते हैं। बुंदेली इतिहास का महानायक बुंदेली इतिहास में आल्हा-ऊदल का नाम बड़े ही आदर भाव से लिया जाता है। बुंदेली कवियों ने आल्हा का गीत भी बनाया है, जो सावन के महीने में बुंदेलखंड के हर गांव-गली में गाया जाता है। जैसे पानीदार यहां का पानी आग, यहां के पानी में शौर्य गाथा के रूप से गाया जाता है। यही नहीं, बड़े लड़ैया महोबे वाले खनक-खनक बाजी तलवार आज भी हर बुंदेलों की जुबान पर है। मध्यप्रदेश के सतना जिले में मैहर तहसील के पास त्रिकूट पर्वत पर स्थित माता के इस मंदिर को मैहर देवी का शक्तिपीठ कहा जाता है। मैहर का मतलब है मां का हार। माना जाता है कि यहां मां सती का हार गिरा था इसीलिए इसकी गणना शक्तिपीठों में की जाती है। करीब 1,063 सीढ़ियां चढ़ने के बाद माता के दर्शन होते हैं। पूरे भारत में सतना का मैहर मंदिर माता शारदा का अकेला मंदिर है।कहते हैं कि दोनों भाइयों ने ही सबसे पहले जंगलों के बीच शारदादेवी के इस मंदिर की खोज की थी। आल्हा ने यहां 12 वर्षों तक माता की तपस्या की थी। आल्हा माता को शारदा माई कहकर पुकारा करते थे इसीलिए प्रचलन में उनका नाम शारदा माई हो गया।

# जनपद पंचायत ब्यौहारी के अन्तर्गत मनरेगा के कार्यों का होगा सामाजिक अंकेक्षण

**(आधुनिक समाचार सेवा)**
**दुर्गेश कुमार गुप्ता**

**शहडोल।** कलेक्टर श्रीमती वंदना वैद्य ने आदेश जारी कहा है कि संचालक म.प्र. स्टेट सामाजिक संपरीक्षा समिति भोपाल के निर्देशानुसार वित्तीय वर्ष 2022-23 में आडिट ऑफ स्कीम रूल्स 2011 के परिपालन में वित्तीय वर्ष 2020-21 में सम्पादित महात्मा गांधी नरेगा निर्माण कार्यों का सामाजिक अंकेक्षण किये जाने एवं सामाजिक अंकेक्षण प्रक्रिया हेतु म.प्र. पंचायत एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 6 (1) के अंतर्गत निहित प्रावधानों के तहत जनपद पंचायत ब्यौहारी जिला शहडोल की प्रथम चरण में समस्त 67 ग्राम पंचायत जिसमें ग्राम पंचायत धरी नं.2 सुखाढ़, चचाई, खॉमडाड़, बहेरिया, अनहारा, बैरिहाई, पपौंध, निपनिया, महदेवा, देवरी, बुडवा, रम्पुरवा, समान, टान्दुहा, आखोटपुर, झिरिया, मगरदहा, भोलहरा, बरा, भमारहा2, गोपालपुर, बोकरा बोकरी, मउ, दलको जागीर, बोचरो, जगमल, कल्हारी, खड्डा, दलको कोठार, चरखरी, मैरटोला, खरपा, कुम्हिया, पपौढ़, भमरहा1, अल्हरा, कुंआ, चौरी, बनासी, रसपुर, जनकपुर, बोडिड्हा, तिखवा,सरसी, गाडा, साखी, सतखुरी, चरका, बरा बघेलहा, पसगढी,खैरा, बरहा टोला, भोलहरी, विजयसोता, सपटा, पथरेही, भननी, पपरेडी, धॉधोकुई, सरवाही, हिरवार, नौढिया, ओदारी, सकंदी, जमुनी में मनरेगा कार्यों का सामाजिक अंकेक्षण 1 अप्रैल 2020 से 31 मार्च 2021 तक की अवधि का कराने के निर्देश दिए है।

# 'पोपटलाल' को मिली उनकी दुल्हनिया, शहनाई बजने से पहले आया बड़ा ट्विस्ट

**नई दिल्ली।** सिटकॉम कॉमेडी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' पिछले 14 सालों से अपने दर्शकों के मनोरंजन में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। असित मोदी के प्रोडक्शन में बने इस शो ने कई

सितारों को घर-घर में लोकप्रिय किया। इस शो में जेठालाल से लेकर दया बेन, तारक मेहता और बबीता जी जैसे कई सितारे ऐसे हैं, जिन्होंने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। इन्हीं किरदारों में से एक किरदार है पत्रकार पोपटलाल का जिसे दर्शक बहुत पसंद करते हैं और जो गोकुलधाम सोसाइटी का सबसे बड़ा बैचलर है और हमेशा अपने लिए दुल्हन ढूंढता है, लेकिन अब आपको ये जानकर निश्चित रूप से खुशी होगी कि फाइनली पोपटलाल को उनकी दुल्हनिया मिल चुकी है। पोपटलाल की जिंदगी में उनकी दुल्हन उन्हें इतनी आसानी से मिल जाए ऐसा तो हो ही नहीं सकता। हालिया एपिसोड में ये दिखाया गया कि पोपटलाल सोसाइटी में आता है और आते ही वह जेठालाल के घर जाता है, जहां वो पुरी जी की बेटी से उनका निणर्य पूछते हैं। पुरी जी पत्रकार पोपटलाल को काफी पसंद करते हैं और अपनी बेटी प्रतीक्षा का हाथ पोपटलाल के हाथ में देने के लिए तैयार हो जाते हैं। कई सालों से पत्रकार पोपटलाल के लिए दुल्हन ढूंढ रहे गोकुलधाम सोसाइटी वाले ये खबर सुनकर खुशी से झूम उठते हैं। पोपटलाल की शादी हो और कहानी में ट्विस्ट ना आए, ऐसा कैसे हो सकता है भला। सब कुछ तैयारी होने के बाद पुरी जी शादी के पहले अपनी बेटी के बारे में गोकुलधाम सोसाइटी के लोगों को एक ऐसी बात बताते हैं, जिसे सुनकर हर कोई हक्का-बक्का रह जाता है। पुरी जी बेटी प्रतीक्षा के बारे में खुलासा करते हुए बताते हैं कि उनकी बेटी की इससे पहले भी शादी हो चुकी है और वह तलाकशुदा है। जिसके बाद सेकेट्री आत्माराम भिड़े की पतनी उनसे सवाल जवाब करती हैं कि ये बात उन्होंने उनसे पहले क्यों नहीं कही। हालांकि पुरी जी अपनी बेटी प्रतीक्षा के डिवोर्स का कारण नहीं बताते और फोन काट देते हैं। जिसके बाद हर कोई पोपटलाल से उनका निणर्य जानना चाहता है। ये पुरी बात सुनने के बाद अपना फैसला सुनाते हुए पोपटलाल तलाकशुदा प्रतीक्षा से शादी के लिए हामी भर देते हैं जिसके बाद पूरी गोकुलधाम सोसाइटी उनकी शादी की तैयारियों में लग गया है। शो के मेकर्स दया बेन और तारक मेहता जैसे किरदारों के शो छोड़ने के बाद ये पूरी कोशिश कर रहे हैं कि दर्शक किसी न किसी तरह से इस शो से जुड़े रहे।

# 100 करोड़ के पार पहुंची कार्तिक आर्यन की फिल्म, 1 हफ्ते में की इतनी कमाई

**नई दिल्ली।** कार्तिक आर्यन की 'भूल भुलैया 2' ने पहले ही हफ्ते में रिकॉर्ड तोड़ कमाई की है। अनीस बज्मी की इस हॉरर कॉमेडी 100 करोड़ के क्लब में शामिल हो गई है। जी हां, भूल भुलैया 2 ने दुनियाभर में 100 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर बॉलीवुड फिल्मों के लिए एक नई उम्मीद जगा दी है। वहीं घरेलू बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म कार्तिक की, जिसके साथ इसका कुल आंकड़ा पहुंचा 92.35। इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 14.11 करोड़ कमाए थे, दूसरे दिन ये आंकड़ा 28 प्रतिशत बढ़कर 18.34 करोड़ हुआ। संडे को तो फिल्म ने झंडे ही गाड़ दिए, इसने बॉक्स ऑफिस पर 23.51 करोड़ का अंक पार कर लिया। सोमवार को 10.75 करोड़, मंगलवार को 9.56 करोड़, बुधवार कलेक्शन में सबसे ज्यादा है। इस तरह भूल भुलैया 2 कार्तिक के करियर की सबसे कामयाब फिल्म बन गई है। इस साल शहजादा समेत उनकी और फिल्में आने वाली हैं। दूसरी तरफ इस शुक्रवार बॉक्स ऑफिस पर आयुष्मान खुराना की अनेक रिलीज हो रही है। इस फिल्म की कोई खास चर्चा नहीं है, फिल्म का जैनर भी

आर्यन के करियर की पहले हफ्ते में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पहली फिल्म बन गई है। पहले हफ्ते में शानदार बिजनेस करने के बाद अब इसकी नजर दूसरे हफ्ते पर टिकी हुई है, जहां इसे टक्कर देने अनुभव सिन्हा की अनेक सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। 'भूल भुलैया 2' के घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कमाई की बात करें तो फिल्म ने गुरुवार को 7.57 करोड़ की कमाई को 8.51 करोड़ और गुरुवार को 7.57 करोड़ का कलेक्शन किया। विदेश में करीब 625 स्क्रीन्स पर रिलीज हुई 'भूल भुलैया 2' को देश में 3200 स्क्रीन्स मिले। पहले हफ्ते में इसने विदेश में करीब 15 करोड़ की कमाई की। इसके साथ ही फिल्म का वर्ल्ड वाइड कलेक्शन 107.35 करोड़ का हो गया है। जो कि इस साल रिलीज हुई किसी भी हिन्दी फिल्म के अनुभव सिंहा के फ्लेवर वाला है। ऐसे में 'अनेक' से 'भूल भुलैया 2' को कोई खतरा होगा यह कहना मुश्किल है। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की ओपनिंग करीब 2 करोड़ रुपये के आसपास ही रहने की आशंका जताई जा रही है। ऐसे में 'भूल भुलैया 2' के लिए सुनहरा मौका है क्योंकि अगले हफ्ते अक्षय कुमार की पृथ्वीराज रिलीज हो रही है।

# हिना खान ने रेड कारपेट पर जलवा बिखेरने के बाद स्विमिंग पूल में ब्वॉयफ्रेंड संग की 'मस्ती'

**नई दिल्ली।** हिना खान की हालिया लीक तस्वीरें वायरल हो रही हैत् इसमें उन्हें अपने ब्वॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल के साथ बुडापेस्ट के स्विमिंग पूल में चिल करते हुए देखा जा सकता हैत् खास बात यह है कि हिना खान ने इस अवसर पर वाइट और ब्लू कलर की डीप नेक बिकिनी पहन रखी हैत् इसमें उनके अलावा उनकी दोस्त भी नजर आ इसमें उन्हें कांस फिल्म फेस्टिवल के दौरान थाई हाई डीप नेक स्लिट गाउन में बोल्ड पोज देते हुए देखा जा सकता हैत् उनका यह फोटोशूट इंस्टाग्राम पर वायरल हो गया था गौरतलब है कि इस बार का कांस हिना खान के लिए काफी दिलचस्प रहा हैत् इस बार के कांस में उनकी आगामी फिल्म कंट्री ऑफ ब्लाइंड का पोस्टर भी जारी किया गया

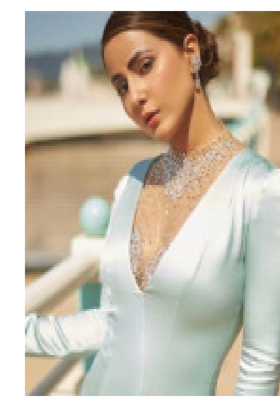

रही हैं हिना खान की 2 तस्वीरें वायरल हो रही हैंत् एक तस्वीर में उन्होंने किस का पोज बना रखा हैत् वहीं दूसरी फोटो में वह स्माइल करते हुए नजर आ रही हैंत् हिना खान ने ब्लैक कलर का गॉगल भी लगा रखा हैत् हिना खान लंबे समय से रॉकी जायसवाल को डेट कर रही हैत् दोनों ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक का दिया हैहिना खान ने इंस्टाग्राम पर अपनी हालिया बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की है हैत् इसमें वह एक ब्लाइंड लड़की की भूमिका निभा रही हैत् फिल्म के दो पोस्टर जारी किए गए थेत् हिना खान इस अवसर पर काफी खुश नजर आ रही थीत् हिना खान ने इसके अलावा अपनी बोल्ड तस्वीरें और वीडियो शेयर की थी, जिसे फैंस काफी पसंद कर रहे हैत् उन्होंने थाई हाई स्लिट गोल्डन कलर का गाउन भी पहना थात् यह तस्वीर इंटरनेट पर वायरल हो गई थी।

# नेशनल क्रश रश्मिका मंदाना अपनी ड्रेस की वजह से बुरी तरह हुई ट्रोल, नेटिजन्स ने कहा- ऐसे कपड़े पहनती क्यों हो

**नई दिल्ली।** करण जौहर के 50वें बर्थडे बैश पर यशराज स्टूडियो में बॉलीवुड सितारों का मेला लगा। उनको जन्मदिन की बधाई देने के लिए जन्मदिन की पार्टी में कई सितारे पहुंचे। पार्टी में पहुंचा हर सितारा वैसे तो बहुत ही खूबसूरत लग रहा था, लेकिन सोशल मीडिया पर किसी सितारे का लुक लोगों को खूब पसंद आया, तो वही किसी स्टार को अपने स्टाइल के लिए ट्रोलिंग का शिकार भी पार्टी में शामिल हुई थीं। ब्लैक एंड ब्लिंग थीम के साथ रश्मिका ने इस मौके पर वन साइडेड ऑफ शोल्डर ड्रेस और हाई थाई स्लिट ड्रेस पहनी हुई थी। जिसके साथ उन्होंने कालों में लॉन्ग इयरिंग और बालों को स्ट्रेट रखा था। हालांकि रश्मिका की ये ड्रेस काफी खूबसूरत थीं, लेकिन वह कई रेड कारपेट पर ऊप्स मोमेंट का शिकार होने से खुद को बचाने के लिए अपनी ड्रेस को पड़ा। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'उन्होंने ये कपड़े क्यों पहने हैं अगर वह इसमें इतनी ज्यादा अनकम्फर्टेबल हैं। दूसरे यूजर ने लिखा, 'यह अपने कपड़ों में बहुत ही अनकम्फर्टेबल लग रही हैं। अन्य यूजर ने लिखा, 'आपकी ड्रेस बिलकुल भी अच्छी नहीं है'। हालांकि कई फैंस ने अपनी पसंदीदा अभिनेत्री को सपोर्ट करते हुए उनके लुक को परफेक्ट बताया। रश्मिका

मंदाना ने अपने करियर की शुरुआत साल 2016 में कनन्ड़ फिल्म किरिक पार्टी से की थी। इसके बाद उन्होंने अंजलि पुत्र, चमक, देवदास जैसी कई तमिल, तेलुगु और कनन्ड़ फिल्मों में काम किया। साल 2021 में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'पुष्पा' ने तमिल और हिंदी में सारे रिकॉर्ड्स ब्रेक कर दिए। रश्मिका मंदाना सबसे कम समय में सबसे ज्यादा सुपरहिट फिल्में देने वाली एक्ट्रेस हैं। साउथ फिल्म इंडस्ट्री में फैंस को दीवाना बनाने के बाद रश्मिका हिंदी फिल्म 'मिशन मजनू' से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। फिल्म में उनके साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा नजर आएंगे।

होना पड़ा। नेशनल क्रश रश्मिका मंदाना वैसे तो हर किसी के दिल पर राज करती हैं, लेकिन इस बार उन्हें अपने चॉइस ऑफ स्टाइल के लिए बुरी तरह ट्रोल होना पड़ा। रश्मिका मंदाना भी करण जौहर के 50वें जन्मदिन की संभालते हुए नजर आईं। उनकी ड्रेस पीछे से काफी लम्बी थी। बार-बार पैपराजी के सामने अपनी ड्रेस को सही कर रहीं रश्मिका मंदाना को सोशल मीडिया पर लोगों द्वारा अनकम्फर्ट होने के लिए बुरी तरह ट्रोलिंग का शिकार होना

# भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे हॉट जोड़ी में से एक आम्रपाली दुबे पर चला 'निरहुआ' का जादू, 'नैना करत निहोरा' में दिखी गजब केमिस्ट्री

**नई दिल्ली।** भोजपुरी सिनेमा की सुपरहिट जोड़ी आम्रपाली दुबे और निरहुआ का भोजपुरी गाना 'नैना करता निहोरा' का वीडियो यूट्यूब पर रिलीज हो चुका है। इस गाने में निरहुआ और आम्रपाली के बीच की केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आ रही है और वो इस भोजपुरी है। मालूम हो कि इस भोजपुरी फिल्म का नया गीत दिनेश लाल यादव, आम्रपाली दुबे, अवधेश मिश्रा, सुशील सिंह, मनोज टाइगर, अनूप अरोरा, प्रकाश जैस, माया यादव, किरण यादव, शकीला मजीद, सुबोध सेठ, गोपाल राई जैसे फिल्म सितारों द्वारा अभिनीत हैं जानकारी

गाना को एक-दूसरे के साथ शेयर भी कर रहे हैं। भोजपुरी की टॉप ऐक्ट्रेसेस में से एक हैं आम्रपाली जिनकी सोशल मीडिया पर लाखों फैन्स हैं। अभिनेत्री अक्सर ही सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस के साथ रूबरू होती रहती हैं। फ़िलहाल हाल में आम्रपाली दुबे और निरहुआ का एक गाना सोशल मीडिया पर बेहद वायरल हो रहा हो कि श्याम देहाती द्वारा लिखा ओम झा द्वारा रचित गीत नैना करता निहोरा हैं निरहुआ चालल ससुराल 2 फिल्म से भोजपुरी गीत कल्पना ने गाया है भोजपुरी फिल्म को प्रेमांशु सिंह के निर्देशन में नासेर जमाल के साथ बनाया गर्या मुस्कान मूवी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के अधिकरण से गीत को भोजपुरी संगीत प्रेमियो तक पहुंचाया जा रहा हैं जैसे कि गाने के बोल से हीं महसूस हो रहा है कि ये गाना बेहद मस्ती भरा और कर्णप्रिय है नैना करत निहोरा', सइय्या जान जैसी जिंदगी में हमरा कड़ो आजा आजा हॉरेन नैना करत निहोरा हो हमको लेलो तन को फॉरन हो भोजपुरी इंडस्ट्री की मशहूर अदाकारा आम्रपाली दुबे और दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ की जोड़ी ने इस गाने में काफी धमाल मचाया है। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की सबसे हॉट जोड़ी में से एक है। दोनों की ऑन स्क्रीन कैमिस्ट्री दर्शकों को बहुत पसंद है। ऐसे में इनका ये हॉट गाना ने भोजपुरी दर्शको के बीच धमाल मचा दिया है। इन दिनों आम्रपाली दुबे और दिनेशलाल यादव निरहुआ का भोजपुरी गाना 'नैना करत निहोरा' यूट्यूब पर वायरल हो रहा है। एक्ट्रेस देसी अंदाज में हॉटनेस का तड़का लगा रही हैं। फैन्स को निरहुआ और आम्रपाली का यह गाना खूब पसन्द आ रहा है।आपको बता दें कि इस गाने को मिलियन व्यूज मिल चुके हैं। इस गाने को अब तक करीब 35 हजार से ज्यादा के लाइक किया गया है। वहीं, इस गाने को वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी वर्ल्डवाइड के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। इस रोमांटिक गाने में आम्रपाली दुबे साड़ी पहने बेहद खूबसूरत लग रही हैं और दिनेश लाल के साथ उनकी कैमिस्ट्री देखने लायक है।

# करण जौहर की पार्टी में इतनी ज्यादा साइट कट ड्रेस पहन पहुंची जाह्नवी कपूर, कैमरे में कैद हुआ एक्ट्रेस का

**नई दिल्ली।** बॉलीवुड फिल्म मेकर करण जौहर के 50वें जन्मदिन के मोके पर पूरा इंडस्ट्री के खूबसूरत सितरों का जलवा देखने को मिला। सलमान खान, रणबीर कपूर, ऋतिक रोशन, कियारा आडवाणी, आयुष्मान खुराना, कटरीना कैफ, यहां देखें जाह्नवी कपूर का ध्दजे श्दसहू वीडियो एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर की लाइफ में करण जौहर का बेहद खास रोल है। करण ने ही जाह्नवी को बॉलीवुड में लॉन्च किया था। वहीं करण की बर्थडे पार्टी में जाह्नवी बेदह ही खास अंदाज में पहुंचीं।

विकी कौशल समेत बॉलीवुड के कई सितारों ने शिरकत की। इस मौके पर हर किसी ने अपने ड्रेसिंग सेंस के जरिए फैंस और पैपराजी का ध्यान अपनी ओर खींचने की पूरी कोशिश की। करण जौहर की इस पार्टी की कई तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रहे हैं। हलांकि कई सितरों का लुक और ड्रेसिंग सेंस फैंस को रास नहीं आया है? जिसकी वजह से उन्हें ट्रोल भी किया जा रहा है। वहीं लोगों का ध्यान सबसे ज्यादा पार्टी में जाह्नवी कपूर के कपड़ों ने खींचा। जाह्नवी इस पार्टी में बेहद ही बोल्ड ड्रेस पहन कर पहुंची। ये ड्रेस इतनी बोल्ड थी कि जाह्नवी ध्दजे श्दसहू का शिकार तक हो गईं। इस दौरान जाह्नवी की खुशी देखते ही बन रही थी। पार्टी में वह शिमरी ड्रेस में दिखीं लेकिन कई मौकों पर वह असहज भी हुईं। पार्टी से कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिससे साफ है कि जाह्नवी इस शिमरी ड्रेस के चलते ऊप्स मोमेंट का भी शिकार हुईं। दरअसल, जाह्नवी की ये ड्रेस में साइड से इतनी ज्यादा कट था कि वह ऊप्स मोमेंट का शिकार हो गईं। इस दौरान जाह्नवी का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस पर कमेंट कर यूजर्स उन्हें ट्रोल करते भी दिख रहे हैं। वहीं कई यूजर्स जाह्नवी को उर्फी जावेद से कंपेयर कर रहे हैं। तो कई ने उन्हें ठीक कपड़े पहनने की सहाल दी है।

# आयुष्मान खुराना की 'अनेक' एक्ट्रेस ने छोटी उम्र में हासिल किया बड़ा अचीवमेंट, एंड्रिया केविचुसा की खूबसूरती से नहीं हटेगी नजर

**नई दिल्ली।** आयुष्मान खुराना संग फिल्म अनेक से नॉर्थ ईस्ट मॉडल और एक्ट्रेस एंड्रिया केविचुसा बॉलीवुड में अपना एक नया सफर शुरू करने जा रही हैं। भले ही एंड्रिया केविचुसा की बॉलीवुड में ये नई शुरुआत हो, लेकिन इससे पहले वह कई बड़े डिजाइनर्स के अलावा बॉलीवुड की सुपरस्टार एक्ट्रेस कटरीना कैफ के साथ भी काम कर चुकी हैं। एंड्रिया अनुभव सिन्हा के निर्देशन में बनी इस फिल्म बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में इंडियन टीम में शामिल होने के लिए एक लड़ाई लड़ती हुई नजर आएंगी। साल 2001 में नागालैंड के बोहिमा में जन्मीं एंड्रिया केविचुसा मुंबई में ही अपनी पढ़ाई कर रही हैं। वह नॉर्थ ईस्ट इंडिया की सबसे यंग मॉडल हैं। 15 साल की कम उम्र में अपने करियर की शुरुआत करने वालीं एंड्रिया को मुंबई की एक एजेंसी के द्वारा मॉडलिंग में अपना करियर बनाने का मौका मिला। आयुष्मान खुराना की हीरोइन सब्यासाची मुखर्जी,

अनामिका खनन, अनु आहूजा जैसे कई बड़े डिजाइनर के लिए वॉक कर चुकी हैं। एंड्रिया केविचुसा बॉलीवुड की स्टार एक्ट्रेस कटरीना कैफ के साथ भी काम कर चुकी हैं। वह कटरीना कैफ के ब्यूटी ब्रांड 'के बाय कटरीना' की ब्रांड कैम्पियन का हिस्सा रह चुकी हैं। उनकी कई तस्वीरें भी कटरीना कैफ के साथ हैं। आयुष्मान खुराना की अनेक की एक्ट्रेस एंड्रिया कम उम्र में सिर्फ सक्सेसफुल ही नहीं है, बल्कि नॉर्थ ईस्ट इंडिया से वह मोस्ट ब्यूटीफुल वुमन का खिताब भी जीत चुकी हैं। अनेक के लिए कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने एक्ट्रेस और मॉडल को फाइनल किया था। एंड्रिया केविचुसा असल जिंदगी में काफी स्टाइलिश हैं। जब एंड्रिया केविचुसा ने अपने करियर की शुरुआत की थी तब उनके 19 हजार फॉलोवर्स थें, जो अब बढ़कर 80 हजार हो चुके हैं। अभिनेत्री अपने इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव हैं और वह अक्सर अपने खूबसूरत और खास अंदाज से लोगों का दिल जीतने में कोई कसर नहीं छोड़ती। एंड्रिया की डेब्यू फिल्म 'अनेक' 27 मई 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

# कभी बी ग्रेड फिल्मों में काम कर चुकी हैं बॉलीवुड की ये 6 फेमस अभिनेत्रियां, लिस्ट में कैटरीना कैफ का नाम भी शामिल

**नई दिल्ली।** बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान और जगह बनाना टेढ़ी खीर माना जाता है। किसी को एक फिल्म से रातों-रात पहचान मिल जाती है तो कोई लगातार मेहनत करने के बाद भी वो मुकाम नहीं हासिल कर पाता। आज हम कुछ ऐसी ही बॉलीवुड की छह चर्चित अभिनेत्रियों की बात कर रहे हैं, जो फिल्मों में कुछ बड़ा करने से पहले बी ग्रेड फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। इन अभिनेत्रियों ने बी ग्रेड फिल्मों में बोल्ड सीन देकर खूब सुखियां भी बटोरीं थी। इस लिस्ट में बॉलीवुड फिल्मों में अपनी अदाकारी के लिए प्रसिद्ध अभिनेत्री कैटरीना कैफ का नाम भी शामिल है। कैटरीना कैफ बी-ग्रेड फिल्म में भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने साल 2003 में आई फिल्म 'बूम' में काम किया था। इस फिल्म में कैटरीना के साथ एक्टर गुलशन ग्रोवर थे। फिल्म में एक्ट्रेस ने कई बोल्ड सीन दिए थे। जिनकी खूब चर्चा हुई थी। नेहा धूपिया हिंदी फिल्मों की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। नेहा धूपिया ने भी बी-ग्रेड फिल्म में काम किया है। उन्होंने साल 2005 में आई फिल्म 'शीशा' में काम किया था। इस फिल्म में अभिनेत्री ने कई सारे बोल्ड सीन्स दिए थे। जिनसे उन्हें खूब सूखियां भी मिली थी। ममता कुलकर्णी 90 के दशक की बॉलीवुड

की प्रसिद्ध अभिनेत्रियों में एक हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में कई अच्छी फिल्में की हैं। इसके अलावा उन्होंने बी-ग्रेड फिल्म में भी काम किया है। इसमें कई बोल्ड सीन दिखाए गए हैं। ये फिल्म साल 2000 में आई डिवाइन टेंपल खजुराहो है। बहुत से लोग यह नहीं होंगे की बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने भी बी-ग्रेड फिल्म में काम किया है। वह नेपाल के एक शाही परिवार से आती हैं। ऐसी कई शानदार फिल्में हैं जिनका मनीषा हिस्सा रही हैं, हालांकि, उन्होंने 'एक छोटी सी लव स्टोरी' नाम की एक बी-ग्रेड फिल्म भी की थी। इस फिल्म की कहानी एक बड़ी उम्र की महिला और एक युवा लड़के के बीच रोमांटिक रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमती है। ईशा कोप्पिकर अब फिल्मों में अभिनय नहीं कर रही है, लेकिन उनके अभिनय की बदौलत लगभग सभी लोग उन्हें जानते हैं। ईशा ने भी एक बोल्ड बी-ग्रेड फिल्म की है। उन्होंने साल 2008 में आई डॉन फिल्म में भी अभिनय किया है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत में, 'खल्लास गर्ल' फिल्म की थी। इसके बाद उन्होंने 'हसीना- स्मार्ट सेक्सी, डेंजरस' नाम की बी ग्रेड फिल्म में भी काम किया है।बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीती झंगियानी ने भी बी-ग्रेड फिल्मों में काम किया है। उन्होंने साल 2006 में आई फिल्म 'हसीना' में अपनी बोल्ड अदाकारी का जलवा बिखेरा था। इसके अलावा लगभग सभी को प्रीती झंगियानी की 'मोहब्बतें' और 'आवारा पागल दीवाना' जैसी फिल्में याद होंगी।


स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com



**नोटः-** इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

प्रयागराज

# बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

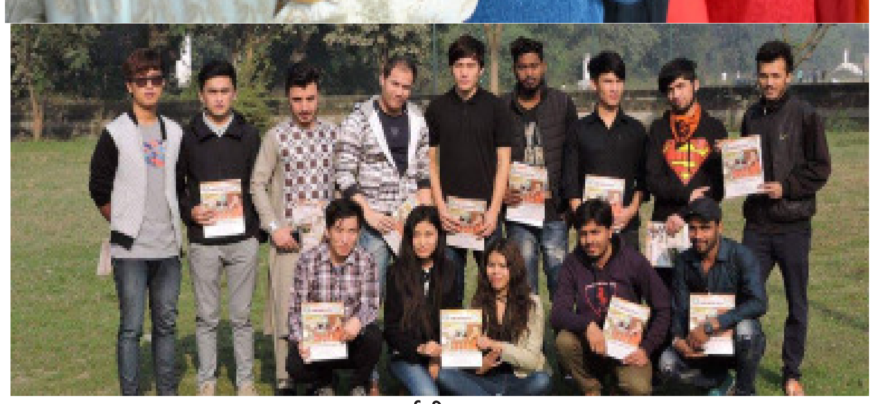

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

## कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

### सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र में प्रस्तावित व्यवसायों में अगस्त 2021में प्रारम्भ होने वाले सत्र में प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कण्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया में प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय में सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
**visit us at : www.nainiiti.com**

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करे :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306060178, 9026359274

# बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका हैं। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते हैं। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए हैं। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे हैं इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे हैं। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं हैं ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

**पूछे गए सवाल**

**प्रश्न-** नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

**उत्तर-** नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डीजीईटी-6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

**प्रश्न-** नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

**उत्तर-** वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

**प्रश्न-** नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

**उत्तर-** कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मेंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

**प्रश्न-** आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

**उत्तर-** नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

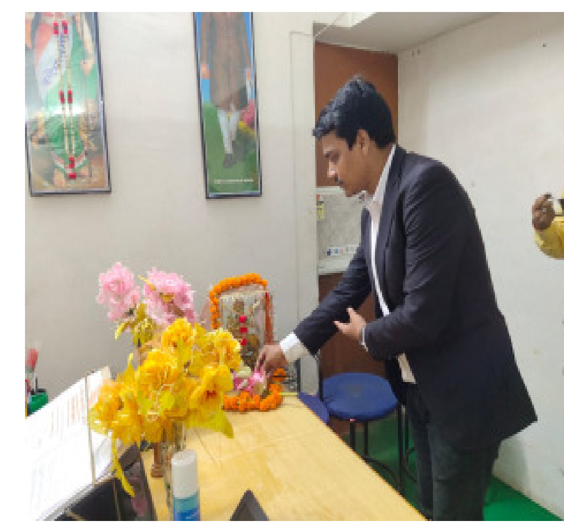

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।